RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
बोकारो, रविवार
08.3.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 136
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सस्ती दवाओं से लाखों परिवारों को राहत: मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जन औषधि दिवस के अवसर पर देशवासियों, विशेष रूप से प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से लाभान्वित लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल हर नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर माईगॉवइंडिया की ओर से साझा पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, "जनऔषधि दिवस 2026 पर, उन सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं जिन पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का अच्छा असर हुआ है। यह पहल यह पक्का करने के हमारे कमिटमेंट को दिखाती है कि हर नागरिक को सस्ती कीमतों पर अच्छी दवाइयां मिलें। जन औषधि केंद्रों के ज़रिए, अनगिनत परिवार हेल्थकेयर खर्च बचा रहे हैं और सही इलाज पा रहे हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में इस योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव की झलक भी साझा की। माईगॉवइंडिया की ओर से साझा किए गए एक पोस्ट में कहा गया कि दीर्घकालिक बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक बोझ नहीं बननी चाहिए। प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप यह योजना दीर्घकालिक बीमारियों के लिए आवश्यक दवाओं को सुलभ और किफायती बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव ला रही है। आंकड़ों के अनुसार जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती हैं, जिससे देशभर के परिवारों के स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। इन केंद्रों से दवाएं खरीदकर लोगों ने अब तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और प्रतिदिन लगभग 15 लाख ग्राहक यहां से दवाएं खरीदते हैं। योजना के तहत केंद्रों का नेटवर्क भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2014 में जहां केवल 80 केंद्र थे, वहीं 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर लगभग 18,000 हो गई है। जन औषधि केंद्रों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014-15 में 7.29 करोड़ रुपये की बिक्री से बढ़कर फरवरी 2025 तक यह आंकड़ा 2,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो योजना पर बढ़ते जन विश्वास को दर्शाता है। इन केंद्रों पर वर्तमान में 29 चिकित्सीय श्रेणियों में 2,110 से अधिक दवाएं और 315 सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध हैं। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए यहां एक रुपये प्रति पैड की दर से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं और अब तक 100 करोड़ से अधिक पैड बेचे जा चुके हैं। पोस्ट के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में खुले नए जन औषधि केंद्रों में लगभग 60 प्रतिशत महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो इस योजना में महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

जन औषधि केंद्रों से रोजाना 15 लाख से अधिक लोग खरीदते हैं दवाइयां: नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की उस महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें, जिसके माध्यम से देशभर के लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। मोदी सरकार की यह पहल कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता को मजबूत बना रही है। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर कहा कि आज देश के शहरों, कस्बों और गांवों में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों के घरों के नज़दीक आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। ये केंद्र परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को संभालने में मदद कर रहे हैं और इलाज के आर्थिक बोझ को कम कर रहे हैं। वर्तमान में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इन केंद्रों से दवाइयां खरीदते हैं, जिससे जन औषधि केंद्र लाखों लोगों के लिए एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य समाधान बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि जन औषधि दिवस भारत के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित एक वार्षिक जागरूकता अभियान है। हर साल 7 मार्च को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य लोगों को जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें सस्ती दवाओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच और परामर्श, जन औषधि केंद्रों के बारे में जानकारी- इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बताया जाता है कि वे कम कीमत में भी अच्छी क्वालिटी की दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच एलपीजी सिलेंडर महंगा

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू सिलेंडर पर 60 और वाणिज्यिक 114.5 रुपये बढ़े

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होने वाली तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की वृद्धि की गई है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। यह पिछले 11 महीने में दूसरी बार बढ़ोतरी है। इससे पहले 8 अप्रैल 2025 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि की गई थी। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार में तेजी के कारण गैस की लागत बढ़ी है, जिसके चलते कीमतों में यह बढ़ोतरी की गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होने वाली तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति पर पड़ रहे असर को भी इसकी एक वजह माना जा रहा है। आईओसी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) की दरों के आधार पर एलपीजी की कीमतों में अंतर होता है। नई दरों के अनुसार मुंबई में 14.2 किलोग्राम का घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये का हो गया है। नोएडा में भी घरेलू सिलेंडर की कीमत दिल्ली के बराबर 913 रुपये हो गई है। होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 114.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद नई दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 1,883 रुपये हो गई है। इससे पहले एक मार्च को भी 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत में 28 रुपये की वृद्धि की गई थी। नए दामों के अनुसार, मुंबई में 19 किलोग्राम का वाणिज्यिक सिलेंडर 1,835 रुपये में मिलेगा, जबकि कोलकाता में इसकी कीमत बढ़कर 1,990 रुपये और चेन्नई में 2,043.50 रुपये हो गई है। इस वर्ष अब तक वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कुल 302.50 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राहत जारी रहेगी। योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन पाने वाले 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को साल में 12 सिलेंडर तक प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने डेरा प्रमुख राम रहीम को किया बरी, अब पीड़ित परिवार जाएगा सुप्रीम कोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने शनिवार को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला फैसला सुनाते हुए सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को बरी कर दिया है। यह निर्णय विशेष सीबीआई अदालत द्वारा राम रहीम को दी गई उम्रकैद की सजा के करीब सात साल बाद आया है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति विक्रम अग्रवाल की खंडपीठ ने 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली अपीलों पर गहन सुनवाई के बाद राम रहीम की सजा को रद्द कर दिया और उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि डेरा प्रमुख के खिलाफ लगाए गए आरोप कानूनी रूप से पर्याप्त रूप से साबित नहीं हो पाए हैं। साक्ष्यों के अभाव और विरोधाभासों को देखते हुए अदालत ने उन्हें संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया है। हालांकि, इस मामले के अन्य तीन दोषियों-कुलदीप, निर्मल सिंह और किशन लाल के लिए राहत की कोई खबर नहीं है, हाईकोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। उल्लेखनीय है कि राम रहीम फिलहाल रोहतक की सुनारिया जेल में दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा काट रहा है, इसलिए इस मामले में बरी होने के बाद भी वह जेल में ही रहेगा। यह मामला साल 2002 का है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। सिरसा में पूरा सच नामक स्थानीय समाचार पत्र चलाने वाले निडर पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इजरायल ने फिर दी सफाई कहा- पीएम मोदी के दौरे से ईरान पर हमले का कोई संबंध नहीं था

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को इजरायल के दौरे पर थे और उनके लौटने के ठीक दो दिन बाद यह हमला हुआ। हमले की इस सटीक टाइमिंग को लेकर विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। विवाद को बढ़ता देख अब इजरायल ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि इस सैन्य कार्रवाई का पीएम मोदी के दौरे से कोई संबंध नहीं था। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने शुक्रवार को रायसीना डायलॉग में वर्चुअली हिस्सा लेते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी को इस हमले के बारे में कोई पूर्व जानकारी या ब्रीफिंग नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा, भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे संबंध बेहद मजबूत और रणनीतिक हैं, लेकिन हम उन्हें इस बारे में सूचित नहीं कर सके क्योंकि सैन्य कार्रवाई का अंतिम निर्णय उनके जाने के बाद, शनिवार तड़के लिया गया था। इजरायल ने स्पष्ट किया कि जब अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह विफल हो गई, तब यह कड़ा कदम उठाना अनिवार्य हो गया था।

जेडीयू में शामिल होने से पहले सक्रिय हुए निशांत कुमार, पार्टी नेताओं के साथ की अहम बैठक

8 मार्च को लेंगे जेडीयू की सदस्यता!

पटना। बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की आहट सुनाई देने लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में औपचारिक रूप से शामिल होने से पहले ही अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। शनिवार सुबह वह जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और युवा विधायकों के साथ लंबी अनौपचारिक बैठक की। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, जेडीयू के संगठनात्मक ढांचे और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। निशांत कुमार ने पार्टी की कार्यशैली, सरकार की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और संगठन को मजबूत बनाने के तरीकों को समझने की कोशिश की। बैठक में एमएलसी संजय गांधी, ललन सर्राफ समेत पार्टी के कई युवा विधायक भी मौजूद रहे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निशांत कुमार की यह सक्रियता जेडीयू के भीतर नई ऊर्जा भरने का संकेत है। अब तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले निशांत के इस कदम ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक निशांत कुमार 8 मार्च को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से जेडीयू की सदस्यता ले सकते हैं। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के जुटने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने कोटा एयरपोर्ट का शिलान्यास किया, कहा- हाड़ौती क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कोटा एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि यह आधुनिक हवाई अड्डा हाड़ौती क्षेत्र के विकास को नई गति देगा और आने वाले समय में यहां व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हाड़ौती क्षेत्र के लिए आज का दिन नई उम्मीद और नई उपलब्धि का दिन है। लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि जब यह एयरपोर्ट चालू हो जाएगा तो कोटा सहित पूरे इलाके में यात्रा आसान होगी और व्यापार तेजी से बढ़ेगा। पहले लोगों को हवाई यात्रा के लिए जयपुर या जोधपुर जाना पड़ता था लेकिन अब क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कोटा को शिक्षा और ऊर्जा का अनोखा केंद्र बताते हुए कहा कि यहां परमाणु, कोयला, गैस और जल से बिजली उत्पादन होता है। कोटा डोरिया साड़ियों, कोटा स्टोन और बूंदी के बासमती चावल जैसे स्थानीय उत्पादों को भी इस एयरपोर्ट से नई पहचान और बाजार मिलेगा। क्षेत्र में पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। श्री मथुराधीश जी, गरड़िया महादेव और मुकुंदरा हिल्स जैसे धार्मिक और प्राकृतिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। बेहतर हवाई संपर्क से इसका सीधा लाभ युवाओं, व्यापारियों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोटा में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटा के दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे कोटा और बूंदी से होकर गुजरते हुए पूरे क्षेत्र के विकास के लिए नया द्वार खोल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 2014 में जहां केवल 70 हवाई अड्डे थे, वहीं आज उनकी संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि कोटा का नया एयरपोर्ट भी इसी तरह क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री ने कोटा के सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की भी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत इरादों और डबल इंजन की सरकार के साथ राजस्थान तेज गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और विकसित राजस्थान, विकसित भारत के संकल्प को और मजबूती दे रहा है।

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं: धीरेंद्र शास्त्री

वाराणसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शात्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्ननाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया।

बजट सत्र का दूसरा चरण: 9 मार्च को स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत ही राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। इस मुद्दे को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि वे इन दिनों सदन में उपस्थित रहें, क्योंकि विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने का निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयार रहने को कहा है। दरअसल, विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसके बावजूद पार्टी सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के सांसद पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं और मतदान के दौरान स्पीकर के खिलाफ वोट देने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। इसी आरोप के आधार पर उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया है। संसदीय नियमों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। हालांकि मौजूदा लोकसभा की संख्या बल को देखते हुए इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम मानी जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकलेगी शक्ति वॉक 'शी लीड्स भारत', 3000 महिलाएं होंगी शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार 8 मार्च को कर्तव्य पथ पर शक्ति वॉक 'शी लीड्स भारत' का आयोजन करेगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, यह वॉक सुबह 7.30 बजे से 10.00 बजे तक आयोजित होगी। करीब 2 किलोमीटर की यह पदयात्रा इंडिया गेट से विजय चौक तक कर्तव्य पथ पर निकाली जाएगी। इसमें 150 से अधिक मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की लगभग 3000 महिलाएं भाग लेंगी। कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया, स्वास्थ्य, खेल, उद्योग, सरकारी संस्थानों और जमीनी संगठनों से जुड़ी महिलाएं शामिल होंगी। प्रतिभागी 'शी लीड्स भारत' थीम के साथ एकजुट होकर महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करेंगी। इस वॉक का नेतृत्व महिला जनप्रतिनिधि करेंगी, जिनमें केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, सांसद, विधायक और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख महिला हस्तियां शामिल होंगी। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के संक्षिप्त संबोधन से होगी और इसके बाद वॉक को हरी झंडी दिखाई जाएगी। कर्तव्य पथ पर महिलाओं से जुड़ी प्रमुख सरकारी योजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इंडिया गेट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें वंदे मातरम की सामूहिक प्रस्तुति के साथ डोल्लू कुनिथा, कलारिपयट्टू, श्रृंगारिमेलम, रणचंडी और घूमर जैसे पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

भारत ने ईरान के आईरिस लावन को दी शरण, 183 चालक दल के सदस्यों को कोच्चि में ठहराया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत आईरिस लावन को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है। इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तनाव की शुरुआत बुधवार को हुई जब श्रीलंका के तट से करीब 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया था।

we will make your
Epaper & NEWS PORTAL
MAXIMUM PERFORMANCE
आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर
हम तैयार करते हैं:
✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
✔ News Portal (Making to News Uploading)
किसके लिए:
• मीडिया हाउस
• संस्थान व स्कूल
• लेखक व कवि
• कार्यक्रम आयोजक
• शोधकर्ता
• Web Journalists/Publishers
PDF PRESS SERVICES
✔✔ क्यों चुनें ?
• प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
• समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
• आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम
संपर्क करें आज ही
pdfpresssolutions@gmail.com +91 9288319159, 9576159316

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 08 मार्च, 2026

चैत्र नवरात्र 19 मार्च से, नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की होगी पूजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 19 मार्च शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होकर 27 मार्च नवमी को समाप्त होगी। पुरोहित मनोज पांडेय ने शनिवार को बताया कि यह पर्व अत्यंत पवित्र माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि इसी दिन भगवान ब्रह्मा ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की थी। नवरात्रि का पर्व संवत्सर के आरंभ का प्रतीक भी है। नौ दिनों तक मां दुर्गा की नौ स्वरूपों की विशेष पूजा-अर्चना का महत्व है। घरों में मां दुर्गा की अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है और उनके नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार कई अत्यंत शुभ योग बन रहे हैं। इन योगों में पूजा-अर्चना करने से भक्तों पर मां दुर्गा की विशेष कृपा बनी रहती है और उनका जीवन सुख,समृद्धि और आध्यात्मिक शांति से परिपूर्ण होता है। पुरोहित ने बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि के पहले दिन अत्यंत दुर्लभसंयोग बन रहा है,जिसे पूजा-पाठ के लिए बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। कलात्मक योग,शुक्ल योग और छत्र योग में कलश स्थापना की जाएगी। कलश स्थापना के लिए सुबह 6.52 से 7.43 बजे तक मुहूर्त है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन शुभयोग में पूजा-पाठ करने से साधक को इच्छापूर्ति का आशीर्वाद मिलता है और सभी दुखों का नाश होता है। पुरोहित ने बताया कि नवरात्रि में भक्ति भावना से लोग पूजा-पाठ मंत्र उच्चारण कर देवी को प्रसन्न करके सुख और सौभाग्य की कामना करेंगे। 26 मार्च को महाअष्टमी का व्रत रखा जाएगा। 27 को महानवमी का पाठ, कन्या पूजन हवन, आरती के साथ पूजन संपन्न होगा। इस दिन भगवान राम का जन्म दिवस (रामनवमी) मनाया जाएगा। वहीं, चैती छठ पूजा 22 मार्च से शुरू होकर 25 मार्च तक चलेगी।

-नहाय-खाय (पहला दिन): 22 मार्च 2026, रविवार

खरना पूजा (दूसरा दिन): 23 मार्च 2026, सोमवार-संध्या अर्घ्य

(तीसरा दिन): 24 मार्च 2026, मंगलवार (डूबते सूर्य को अर्घ्य)-उषा अर्घ्य

(चौथा दिन): 25 मार्च 2026, बुधवार (उगते सूर्य को अर्घ्य)

उन्होंने बताया कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष से सनातन नववर्ष यानी नव संवत्सर और बसंत नवरात्रि की शुरुआत होती है। इस पावन अवसर पर भक्त नौ दिनों तक मां दुर्गा का व्रत रखते हैं और दुर्गा पाठ,जप तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। नवरात्रि के दौरान कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व भी आते हैं। इस अवधि में भगवान सूर्य की आराधना,चैती छठ का व्रत,भगवान विष्णु के मत्स्यावतार तथा भगवान श्रीराम के अवतार दिवस का पूजन और दर्शन किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वर्ष भर में केवल चैत्र नवरात्रि ही ऐसा पर्व है,जब नवसंवत्सर, गौरी तृतीया व्रत और चैती छठ एक साथ मनाए जाते हैं।

बच्चा चोरी के शक में युवक-युवती से मारपीट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम जिले के कोवाली थाना क्षेत्र के रसुनचोपा गांव में शनिवार को बच्चा चोरी के शक में ग्रामीणों ने एक युवक और युवती को पकड़ लिया। दोनों पर संदेह जताते हुए ग्रामीणों ने उनसे पूछताछ की और इसी दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट भी कर दी। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि इलाके में पिछले कुछ दिनों से बच्चा चोरी की अफवाह तेजी से फैल रही है। इसी वजह से ग्रामीण पहले से सतर्क हैं। शनिवार को गांव में घूमते हुए एक युवक और युवती को देखकर लोगों को शक हुआ। ग्रामीणों ने दोनों को रोककर उनकी पहचान और गांव में आने का कारण पूछा, लेकिन वे स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। इससे लोगों का शक और बढ़ गया और देखते ही देखते भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी दौरान कुछ लोगों ने बच्चा चोरी के आरोप लगाते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। घटना की सूचना मिलते ही कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों को ग्रामीणों के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें अपने साथ थाने ले गई। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि युवक और युवती चाईबासा क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि दोनों मानसिक रूप से अस्वस्थ भी हो सकते हैं। पुलिस उनकी पहचान और परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में बच्चा चोरी की अफवाह के कारण इलाके में कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ दिन पहले मानपुर पंचायत में भी ग्रामीणों ने एक सर्वेयर को बच्चा चोर समझकर पकड़ लिया था, लेकिन बाद में जांच में वह मामला गलतफहमी निकला था। कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर भरोसा न करें और कानून को अपने हाथ में न लें। उन्होंने कहा कि अगर किसी अनजान व्यक्ति पर संदेह होता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि मामले की सही तरीके से जांच की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

बीमार जंगली हाथी का वन विभाग करा रहा है इलाज

खूंटी। जंगल से भटककर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रहे एक बीमार जंगली हाथी के इलाज के लिए वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। वन विभाग के कर्मी लगातार हाथी की निगरानी कर उसकी सेहत पर ध्यान रख रहे हैं। जानकारी के अनुसार उकरीमारी पाकर टोली जंगल में पहुंचे बीमार जंगली हाथी को प्रभारी वनपाल अविनाश लुगुन के नेतृत्व में शनिवार को दर्द निवारक और विटामिन की दवा दी गई। वन विभाग की टीम ने दवाइयों को केला और तरबूज में मिलाकर हाथी को खिलाया, ताकि वह आसानी से दवा ग्रहण कर सके। बताया गया कि वन विभाग के कर्मचारी लगातार जंगली हाथी को ट्रैक कर रहे हैं और उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। विभाग के अनुसार यह हाथी पहले खूंटी क्षेत्र से भटककर तोरपा के बिरता जंगल पहुंच गया था। वहां आसपास के खेतों में घुसकर हाथी ने किसानों की फसलों को रौंद दिया, जिससे उन्हें नुकसान हुआ। फसलों को नुकसान होने की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए थे। ग्रामीणों की भीड़ के कारण जंगली हाथी को बिरता जंगल से खदेड़ दिया गया, जिसके बाद वह दूसरे क्षेत्र की ओर चला गया। वन विभाग की टीम ने हाथी की स्थिति को देखते हुए उसे दवा देने का निर्णय लिया। इस दौरान वनरक्षी राहुल महतो, आनंद मुंडरी और अभिषेक शर्मा सहित अन्य कर्मी मौजूद थे। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगली हाथी के आसपास भीड़ न लगाएं और दूरी बनाकर रखें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

महिला से छेड़खानी और मारपीट करने वाला आरोपित गिरफ्तार, नशे की हालत में की थी वारदात

पूर्वी सिंहभूम । जिले के बागबेड़ा थाना क्षेत्र में महिला के साथ छेड़खानी और मारपीट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कन्हैया रजक (29) के रूप में हुई है, जो बागबेड़ा नया बस्ती रोड नंबर–3 का निवासी बताया जा रहा है। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) कुमार शिवाशीष ने शनिवार को बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आरोपित की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) कानून-व्यवस्था के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे मुख्य आरोपित कन्हैया रजक को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, घटना उस समय हुई थी जब एक महिला गली से होकर गुजर रही थी। उसी दौरान नशे की हालत में मौजूद आरोपित युवक ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़खानी की। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की। घटना के बाद इलाके में काफी आक्रोश का माहौल बन गया था। पुलिस की जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि आरोपित का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में जेल जा चुका है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आग लगने से पांच बाइक जलकर राख

पूर्वी सिंहभूम। साकची थाना क्षेत्र में शनिवार को आग लगने की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल के पास खड़ी पांच बाइक जलकर पूरी तरह राख हो गईं। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगने का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि किसी व्यक्ति द्वारा झाड़ियों में सिगरेट पीकर फेंक देने से सूखी घास और झाड़ियों में आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और पास में खड़ी बाइक इसकी चपेट में आ गईं। बताया जाता है कि जिन बाईकों में आग लगी, वे टाटा स्टील के ठेका कर्मियों की थीं। सभी कर्मी अपनी बाइक खड़ी कर कंपनी के अंदर ड्यूटी करने गए हुए थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों में लगी आग फैलते हुए बाइक तक पहुंच गई और देखते ही देखते सभी बाइक जलकर खाक हो गईं। इस घटना में जिन लोगों की मोटरसाइकिलें जली हैं, उनमें शरत चंद्र महतो, सतीश कुमार, बी. सुधाकर राव और राजेश कुमार शामिल हैं। वहीं एक बाइक मालिक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। साकची थाना पुलिस भी पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

एयरपोर्ट की मांग को लेकर सिंहभूम चेंबर का पार्क में धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

शहर और कोल्हान क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से बिष्टुपुर स्थित पोस्टल पार्क में धरना-प्रदर्शन किया गया। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस विरोध कार्यक्रम में चेंबर के पदाधिकारियों, व्यवसायियों, उद्यमियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सरकार से जल्द एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग उठाई। धरना कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं में सिंहभूम चेंबर के अध्यक्ष मानव केडिया,अनिल मोदी, अशोक अग्रवाल, विजय मुनका सहित अन्य ने कहा कि जमशेदपुर देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में शामिल है और यहां टाटा स्टील समेत कई बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इसके बावजूद शहर में अब तक नियमित एयर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे उद्योग, व्यापार, निवेश और पर्यटन के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट निर्माण की घोषणा कई वर्ष पहले की जा चुकी है, लेकिन अब तक जमीन अधिग्रहण और अन्य प्रक्रियाएं पूरी नहीं होने के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई है। चेंबर के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि धालभूमगढ़ एयरपोर्ट का निर्माण जल्द शुरू होता है तो इससे पूरे कोल्हान क्षेत्र को लाभ मिलेगा। इससे जमशेदपुर, चाईबासा, सरायकेला-खरसावां और आसपास के जिलों के उद्योग, व्यापार और पर्यटन को नई गति मिलेगी। साथ ही देश के विभिन्न शहरों से यहां आने वाले निवेशकों और पर्यटकों के लिए भी यात्रा आसान हो जाएगी। धरना के दौरान चेंबर के पदाधिकारियों ने राज्य और केंद्र सरकार से मांग की कि धालभूमगढ़ एयरपोर्ट परियोजना को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रशासनिक और तकनीकी अड़चनों को जल्द दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि इस परियोजना पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो चेंबर आगे और भी व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा।

बाउंड्री का ताला तोड़कर पांच खस्सी की चोरी, इलाके में दहशत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण क्षेत्र बोड़ाम थाना के आंधारझोर गांव के केंदडीह टोला में शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर में घुसकर पांच खस्सी (बकरा) चोरी कर ली। चोरी गए खस्सियों की कीमत करीब एक लाख रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार केंदडीह टोला निवासी आशुतोष महतो ने ईद के बाजार को ध्यान में रखते हुए पांच खस्सी पाल रखे थे। शुक्रवार रात परिवार के सभी सदस्य रोज की तरह बाउंड्री गेट में ताला लगाकर सो गए थे। देर रात करीब 12 बजे के बाद चारपहिया वाहन से पहुंचे चोरों ने बाउंड्री में लगे ग्रिल का ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गए। इसके बाद घर के परिसर में बंधे सभी खस्सियों को वाहन में लादकर फरार हो गए। शनिवार सुबह करीब पांच बजे जब परिवार के लोग सोकर उठे तो बाउंड्री का ताला टूटा हुआ मिला और खस्सी गायब थे। इसके बाद परिवार के लोगों ने तुरंत बोड़ाम थाना को सूचना दी। पीड़ित आशुतोष महतो ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरों ने पहले पड़ोस में रहने वाले राजू महतो के घर में घुसने की भी कोशिश की थी। हालांकि वहां खस्सी घर के अंदर बंधे हुए थे और परिवार के लोगों के जागने की आशंका के कारण चोरों ने बाहर से दरवाजे की सिकड़ी बंद कर दी और वहां से निकल गए।

न्यू कॉलोनी टुंगरी में लगी आग, मची अफरा-तफरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू कॉलोनी टुंगरी में स्थित डॉ. ओम कुमारी नर्सिंग होम के पास शुक्रवार देर रात अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय पर दमकल की टीम पहुंचने से एक बड़ी घटना होने से बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। आग की चपेट में वहां रखा एक सीमेंट मिक्सर मशीन भी आ गया, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। देर रात अचानक उठती तेज लपटों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई, क्योंकि यह घनी आबादी वाला आवासीय इलाका है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने समाजसेवी त्रिशानु राय को दी। सूचना मिलते ही उन्होंने एहतियातन पश्चिमी सिंहभूम के फायर ऑफिसर को फोन कर आग लगने की जानकारी दी और तत्काल दमकल भेजने का अनुरोध किया। इसके बाद चाईबासा अग्निशमन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। घटनास्थल पर सूखे पत्तों का ढेर होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कड़ी मेहनत के बाद दमकल की टीम ने आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते आग बुझा दिए जाने से आसपास के घरों तक आग फैलने से रोक लिया गया।

खूंटी में सड़क हादसों से बढ़ी चिंता, दो महीने में 32 लोगों की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड के खूंटी जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 3 जनवरी से 5 मार्च के बीच जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में 32 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 29 लोग आदिवासी समुदाय से जुड़े बताए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर चिंता और भी बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार, जिले के अलग-अलग इलाकों में तेज रफ्तार, लापरवाही और नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह बन रहा है। कई मामलों में बाइक चालक नशे में वाहन चलाते हुए नियंत्रण खो देते हैं, जिससे गंभीर हादसे हो जाते हैं। तोरपा के सामाजिक कार्यकर्ता संतोष जायसवाल और धर्मेन्द्र कुमार का कहना है कि सड़क हादसों के बढ़ते मामलों के पीछे शराब का सेवन एक बड़ा कारण बनकर सामने आ रहा है। उनके अनुसार, कई चालक शराब पीकर बाइक या अन्य वाहन चलाते हैं और वाहन पर नियंत्रण खो बैठते हैं। खासकर रात के समय और ग्रामीण सड़कों पर ऐसी घटनाएं अधिक देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा तेज रफ्तार, हेलमेट का उपयोग नहीं करना, सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी और खराब सड़क व्यवस्था भी दुर्घटनाओं की वजह बन रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लोग बिना हेलमेट के बाइक चलाते हैं और कई बार एक ही बाइक पर तीन-तीन लोग सवार हो जाते हैं, जिससे हादसों की संभावना बढ़ जाती है। मुरहू थाना क्षेत्र के राजा कुंजला ग्राम समिति के अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो तथा ओम प्रकाश कश्यप ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी हरि शंकर बारीक ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सड़क सुरक्षा समितियों का गठन किया जाएगा और सड़क सुरक्षा मित्रों को जागरूकता अभियान में लगाया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा सके। सेवानिवृत्त शिक्षक पंचम साहू ने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए प्रशासन और आम लोगों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। यदि लोग स्वयं सावधानी बरतें और यातायात नियमों का पालन करें तो कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उल्लेखनीय है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में 3 जनवरी को रोशन डोडराय, 4 जनवरी को माणिक पाहन, 8 जनवरी को सुशील प्रवीण तिरु और सुनील भेंगरा, 12 जनवरी को भरत उरांव, 13 जनवरी को एक अज्ञात व्यक्ति, 17 जनवरी को रवि मुंडा, 20 जनवरी को गुसलु बडिंग और मंगल सोय, 23 जनवरी को टीपला होरो और एतवारी, 25 जनवरी को मसीह कच्छप, 29 जनवरी को बंधन देवी, 30 जनवरी को रसिक भेंगरा, 31 जनवरी को रवि मुंडा शामिल हैं। इसी प्रकार से 1 फरवरी को लोर सिंह मुंडा, 2 फरवरी को किश्तोमणि देवी, 11 फरवरी को महतो होरो, 16 फरवरी को हुए हादसे में इस्तानिस्लास कुजूर, ग्रेगोरी बिलुंग और संधू मुंडा, 21 फरवरी को चितरंजन कुंडू और बिमल कंडुलना, 22 फरवरी को सुनील सोय मुर्मू, 23 फरवरी को टिपना मुंडा, 27 फरवरी को प्रदीप महतो और संदीप प्रजापति, 28 फरवरी को पुरन प्रसाद पूर्ति और मदिराय मुंडा, 4 मार्च को रमेश उरांव और मुन्ना उरांव तथा 5 मार्च को रोशन भेंगरा सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं।

होली के दिन चाकूबाजी में घायल व्यवसायी की इलाज के दौरान मौत, दो आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजधानी रांची के विधानगर इलाके में होली के दिन हुई चाकूबाजी की घटना में घायल व्यवसायी की इलाज के दौरान मौत हो गई। व्यवसायी विजय कुमार की मौत के बाद स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश फैल गया और विरोध स्वरूप जेपी मार्केट को बंद कर दिया गया। दरअसल, विजय कुमार होली के दिन अपने एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो रहा था। बताया जाता है कि विजय कुमार झगड़ा शांत कराने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचे। इसी दौरान हमलावरों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार देर रात उनकी मौत हो गई। इस मामले में धुर्वा थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिट्टू उर्फ रोहित और अजीत यादव शामिल हैं, जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। मामले पर जानकारी देते हुए हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मृतक विजय कुमार की जेपी मार्केट में हार्डवेयर की दुकान थी और वे इलाके के जाने-माने व्यवसायियों में गिने जाते थे। उनकी मौत के बाद व्यापारियों में शोक और आक्रोश का माहौल है।

झारखंड के विभिन्न जिलों में छाए बादल, कई जिलों में बारिश की संभावना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शनिवार को बादल छाए रहे। बादल छाने से अधिकतम तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दोपहर में बादल के कारण धूप में तपिश महसूस नहीं हुई। यह जानकारी शनिवार को मौसम विभाग ने दी। उल्लेखनीय है कि नौ और दस मार्च को राज्य के उत्तर पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार नौ मार्च को जिन जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है उनमें हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल है। वहीं 10 मार्च को जिन जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है उनमें बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल है। पिछले 24 घंटे को दोनों राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 34.7 डिग्री और सबसे कम तापमान 16.2 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह में मौसम साफ रहा लेकिन दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। वहीं, शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 18.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में अधिकतम 33.2 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.8 और न्यूनतम 22 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

सीबीएसई 10वीं बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं संपन्न, बोकारो के 23 केंद्रों पर 9284 विद्यार्थियों ने दी सामाजिक विज्ञान की परीक्षा

» संतुलित प्रश्नपत्र देख उत्साहित हुए विद्यार्थी, पॉलिटिकल साइंस ने थोड़ा उलझाया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं कक्षा के मुख्य विषयों की परीक्षाएं शनिवार को सोशल साइंस (सामाजिक विज्ञान) विषय की परीक्षा के साथ संपन्न हो गईं। अंतिम दिन जिले के कुल 23 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 9284 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। कुल पंजीकृत 9344 परीक्षार्थियों में 60 अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. ए. एस. गंगवार ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षा पूर्णतः कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। उन्होंने 10वीं बोर्ड परीक्षाओं के सफल आयोजन में जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी पर्यवेक्षकों, केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों सहित समस्त सहयोगियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उनके प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 10वीं बोर्ड में अब केवल संगीत, विभिन्न भाषाओं एवं अन्य व्यावसायिक विषयों की परीक्षाएं शेष रह गई हैं, जो 9, 10 और 11 मार्च को आयोजित की जाएंगी।

शनिवार को सोशल साइंस की परीक्षा के बारे में केन्द्रवार जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर-3सी में 346, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 772, चिन्मय विद्यालय सेक्टर- 5 में 453, होली क्रॉस स्कूल बालीडीह में 624, पिट्स मॉडर्न गोमिया में 475, डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 399, जीजीपीएस- 5 में 831, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 415, आदर्श विद्या मंदिर, दारकू नगर में 347, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर- 4 में 613,

डीएवी स्वांग में 315, बीआरएल डीएवी भंडारीदह में 366, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 में 588, पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल सेक्टर-12 में 269, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में 289, जीजीपीएस चास में 399, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 6 में 195, होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 324, डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में 152, डीपीएस चास में 264, केंद्रीय विद्यालय-1 सेक्टर-4 में 341, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा में 352 और

केंद्रीय विद्यालय डीवीसी बोकारो थर्मल में 155 परीक्षार्थी इसमें सम्मिलित हुए।

शनिवार को जिले के तीन परीक्षा केन्द्रों पर 12वीं बोर्ड के योग विषय की परीक्षा भी हुई। सरस्वती विद्या मंदिर, 3सी में 2, चिन्मय विद्यालय में 10 और एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में 174 अभ्यर्थी शामिल हुए। कुल पंजीकृत 188 में से दो अनुपस्थित रहे और 186 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

परीक्षा के बाद बाहर निकले विद्यार्थियों के खिले चेहरे उनके उत्साह को बयां कर रहे थे। उन्होंने बताया कि परीक्षा काफी अच्छी गई और प्रश्नपत्र अच्छा था।

इतिहास, भूगोल और इकोनॉमिक्स के सवाल काफी अच्छे थे, परंतु थोड़ा पॉलिटिकल साइंस के प्रश्नों ने उलझाया। अधिकतर विद्यार्थियों ने अच्छे अंक आने की संभावना व्यक्त की। बोर्ड के मुख्य विषयों की परीक्षाएं खत्म होने के साथ ही परीक्षार्थियों में एक सुकून भी नजर आया।

संक्षिप्त समाचार

एचजी इंफ्रा कंपनी के मेन गेट में ग्रामीणों ने दिया धरना, आंदोलन की चेतावनी

इंटरचेंज निर्माण समेत रखी सात सूत्री मांग

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के बगियारी मोड़ में शनिवार को इंटरचेंज निर्माण समेत सात सूत्री मांग को लेकर वाराणसी से कोलकाता एक्सप्रेस वे निर्माण कार्य कर रही एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी गेट के समक्ष ग्रामीणों ने कंपनी के अस्थायी कैंप कार्यालय के सामने एक दिवसीय धरना दिया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता भोला मुर्मू ने की, जबकि संचालन भुवनेश्वर महतो एवं श्यामल झा ने किया। इस दौरान ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष सात सूत्री मांगें रखीं और उन पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना था कि एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय लोगों की समस्याओं और हितों की अनदेखी की जा रही है। मांगों में बगियारी मोड़ के सामने बरलंगा–कसमार राजकीय उच्च पथ पर इंटरचेंज अथवा सर्विस रोड का निर्माण, झारखंड सरकार के प्रावधान के अनुसार 75 प्रतिशत स्थानीय प्रभावित लोगों को रोजगार देने, तथा पूर्व में कैंप लगाकर चयनित स्थानीय चालकों और बेरोजगार युवकों को तुरंत कार्य में लगाने की मांग शामिल है। इसके अलावा निर्माण कार्य से जुड़े छोटे-छोटे कार्य स्थानीय प्रभावित लोगों को पेटी ठेका पर देने, अवैध तरीके से बालू खरीद बंद करने, ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने और निर्माण कार्य के कारण फैल रही धूल पर नियंत्रण के लिए ठोस व्यवस्था करने की मांग भी की गई। धरना को संबोधित करते हुए दुर्गापुर पंचायत के मुखिया सह जेएलकेएम के जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्र के लोग विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी को स्थानीय युवाओं को रोजगार देने और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना चाहिए। वहीं भुवनेश्वर महतो, श्यामल झा एवं भोला मुर्मू ने कहा कि एक्सप्रेसवे निर्माण के कारण गांवों में धूल और भारी वाहनों के आवागमन से लोगों को परेशानी हो रही है। यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन को और तेज करने को मजबूर होंगे। धरना में प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत कुमार महतो, प्रखंड सचिव सौरभ जायसवाल, राहुल कुमार महतो, रथू महतो, अशोक सिंह, सुधीर हांसदा, इब्राहिम अंसारी, बापी मिश्रा, बबलू महतो, करमचंद टुडू, सृष्टिधर महतो, गोराचंद मरांडी, विष्णु महतो, फूलचंद महतो, दीपक कुमार, जनार्दन महतो, अनुज कुमार, बलदेव महतो, श्रीकांत महतो, विशेश्वर महतो, नित्यानंद महतो, रामकिंकर महतो, अजय मुर्मू, काशीनाथ महतो, सुजीत कुमार, राजकुमार महतो सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

प्रहरी मेला की तैयारी अंतिम चरण में, 10 से 16 मार्च तक होंगे विविध कार्यक्रम

• जयराम महतो करेंगे उद्घाटन, सुदेश महतो होंगे समापन समारोह के मुख्य अतिथि

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर-सिंहपुर स्थित प्रहरी मेला मैदान में आयोजित होने वाले सात दिवसीय प्रहरी मेला 2026 की तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुंच गयी हैं। 10 से 16 मार्च तक चलने वाले इस मेले का आयोजन भूतपूर्व सरपंच स्व सुरेश कुमार जायसवाल की पुण्यतिथि के अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता के उद्देश्य से किया जाता है। इस बार मेले को और आकर्षक बनाने के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और लोकनृत्य की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

मेला समिति के अध्यक्ष घनश्याम महतो, सचिव राजेश कुमार राय, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार जायसवाल एवं व्यवस्थापक रामसेवक जायसवाल ने बताया कि 10 मार्च को पुण्यतिथि समारोह के साथ सुप्रसिद्ध कलाकार मनोज देहाती और कुमार आजम का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही रात्रि में प्रहरी मेला का उद्घाटन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। मेला का उद्घाटन डुमरी विधायक सह जेएलकेएम अध्यक्ष जयराम महतो करेंगे। वहीं 16 मार्च को नागपुरी स्टार राजेश राज के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मेले का समापन होगा। समापन समारोह में सुदेश कुमार महतो (पूर्व उपमुख्यमंत्री, झारखंड सरकार) मुख्य अतिथि एवं डॉ लंबोदर महतो (पूर्व विधायक, गोमिया) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मेला समिति के अनुसार इस बार मेले में मीना बाजार, बड़ा झूला, ब्रेक डांस, जंपिंग, नौका झूला और ट्रेन झूला सहित कई आकर्षक मनोरंजन के साधन लगाए जा रहे हैं। समिति ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मेला में पहुंचकर कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की है।

डीएवी सेक्टर-4 में महिला दिवस पर शिक्षिकाओं का सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला शिक्षिकाओं और कर्मियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के योगदान, उनकी सामर्थ्य और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा उनके समर्पण और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय परिवार की सभी महिला सदस्यों के लिए विशेष आउटिंग और संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही सभी महिला शिक्षिकाओं के लिए बोकारो स्टील प्लांट भ्रमण की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर शिक्षिका शिल्पा माहेश्वरी और भारती गुप्ता को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। शिल्पा माहेश्वरी की बेटी सुमेधा माहेश्वरी ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में सेकंड स्टेट टॉपर बनकर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। वहीं विज्ञान शिक्षिका भारती गुप्ता ने योनेक्स सनराइज झारखंड स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप कम सिलेक्शन ट्रायल 2026 में महिला एकल (45+) वर्ग का खिताब जीतकर जिले की पहली महिला बनने का गौरव हासिल किया है और आगामी माह गोवा में होने वाले नेशनल मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कार्यक्रम में प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा कि एक नारी का सुशिक्षित होना पूरे परिवार और समाज के उन्नत व सुसंस्कृत होने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की भी सशक्त प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नारी सम्मान और समानता के संकल्प को दोहराया।

बीएसएल ने भवानीपुर में लगाया विशेष स्वास्थ्य शिविर, 71 महिलाओं की हुई निःशुल्क जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक दायित्व विभाग ने एक सराहनीय मानवीय पहल की। संयंत्र के परिधीय क्षेत्र भवानीपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक विशेष महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवेश की उन महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था, जिनकी पहुंच बड़े अस्पतालों तक कम है।

स्वास्थ्य शिविर में बोकारो जनरल अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक बड़ी टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में केवल सामान्य जांच ही नहीं, बल्कि विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों द्वारा परामर्श भी दिया गया। इस दौरान सामान्य शल्य चिकित्सा, चर्म रोग, मेडिसिन, नेत्र रोग, दंत रोग, बाल रोग और विशेष रूप से स्त्री रोग से संबंधित समस्याओं की जांच की गई। चिकित्सक दल में डॉ. राहुल कुमार, डॉ. विनोद राठौर, डॉ. जया, डॉ. दीप्ति रेक्का, डॉ. अमृता प्रीतम, डॉ. सरिता एम. कुजूर, डॉ. सुष्मिता चौधरी, डॉ. ममता निखोरपा और डॉ. शिवानी शामिल थे। कुल 71 महिलाओं की जांच के पश्चात उन्हें निःशुल्क दवाएं और उचित डॉक्टरी परामर्श भी दिया गया। इसमें पिरामल स्वास्थ्य के डॉ. कुलदीप सिंह और फार्मासिस्ट अभिषेक कुमार ने भी सक्रिय सहयोग दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति सीएसआर की प्रतिबद्धता–

इस शिविर को सफल बनाने में सीएसआर विभाग के सहायक प्रबंधक प्रवीण कुमार, संजीव कुमार और संतोष कुमार के साथ पिरामल स्वास्थ्य-चलंत चिकित्सालय की टीम का विशेष योगदान रहा। स्थानीय ग्रामीणों ने बीएसएल प्रबंधन का आभार जताते हुए कहा कि घर के पास विशेषज्ञ डॉक्टरों का मिलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। भवानीपुर में आयोजित यह शिविर दर्शाता है कि बीएसएल केवल इस्पात उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के प्रति भी पूरी तरह संवेदनशील है।

बोकारो के भार्गव को मिला इंस्पायर अवॉर्ड, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बनाया खास चार्जिंग सिस्टम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो के छात्र ने एक बार फिर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय के भार्गव कुमार ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए भारत सरकार के प्रतिष्ठित इंस्पायर अवार्ड में सफलता प्राप्त की है। भार्गव को यह सम्मान उनके प्रोजेक्ट इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए वायरलेस चार्जिंग कम स्मार्ट पार्किंग सिस्टम के लिए मिला है। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें भारत सरकार की तरफ से 10 हजार रुपये का इनाम भी मिलेगा। भार्गव की इस उपलब्धि के बाद पूरे विद्यालय में उत्साह का माहौल है। चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा और उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने उन्हें इस खास उपलब्धि के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

क्या है प्रोजेक्ट की खासियत? चिन्मय विद्यालय बोकारो के कक्षा 8वीं के छात्र भार्गव कुमार द्वारा बनाया गया साइंस प्रोजेक्ट भविष्य की दृष्टि से बहुत खास है। आज के समय में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को चार्ज करने के लिए केबल और प्लग की जरूरत होती है, जो बारिश के मौसम में असुरक्षित बन जाते हैं और बार-बार इस्तेमाल से खराब भी हो जाते हैं। भार्गव ने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन तकनीक का इस्तेमाल कर एक ऐसा पार्किंग स्टेशन डिजाइन किया है, जहां गाड़ी खड़ी होते ही अपने आप चार्ज होने लगेगी।

अभी तो ये शुरुआत है : भार्गव कुमार-भार्गव कुमार ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह अवार्ड मेरे लिए सिर्फ एक शुरुआत है। मैं भविष्य में ऐसी तकनीक विकसित करना चाहता हूं, जो आम लोगों की जिंदगी को अधिक आसान और सुरक्षित बना सके। उन्होंने कहा कि विद्यालय से भी उन्हें उनके प्रोजेक्ट के लिए बहुत प्रोत्साहन मिला और हर शिक्षक ने उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने अपनी कामयाबी के लिए अपने माता - पिता को भी धन्यवाद किया और कहा कि आगे इससे भी आगे वो जाना चाहते हैं।

क्या है इंस्पायर अवार्ड योजना? इंस्पायर अवार्ड योजना देश के छात्रों में विज्ञान के प्रति प्रेम और नवाचार की प्रवृत्ति को मजबूत करने के लिए एक स्तरबद्ध, वित्तीय और मार्गदर्शन आधारित कार्यक्रम है। यह छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत करने, पुरस्कार जीतने और वैश्विक अवसर प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करता है। इसके तहत चयनित विद्यार्थियों को अपने प्रोजेक्ट को आगे डेवलप करने के लिए भारत सरकार राशि भी प्रदान करती है।

भाजपा की जिला स्तरीय योजना बैठक में प्रशिक्षण अभियान पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास स्थित दीपांजलि पैलेस में शनिवार को भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत जिला स्तरीय योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशिक्षण टोली के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण की व्यवस्था, अनुशासन, समयबद्धता और संगठन से जुड़े विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता धनबाद लोकसभा के निवर्तमान सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में प्रशिक्षण की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक अनुशासन, कार्यशैली और जिम्मेदारियों की बेहतर समझ मिलती है।

बैठक में संजय त्यागी, अर्चना सिंह, संजय सिंहा, अनिल स्वर्णकार, बिनोद गोराई, कुमार अमित, सागर सिंह चौधरी, दिलीप श्रीवास्तव, बीरभद्र सिंह, अशोक कुमार पप्पू, अशोक कुमार वर्मा, विनय किशोर, अशोक शर्मा, हरिष सिंह, बबिता देवी, अम्बिका देवी और राकेश कुमार मधु सहित सभी मंडल अध्यक्ष और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बगदा में तपोभूमि आवासीय विद्यालय व डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के बगदा गांव में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को समर्पित तपोभूमि आवासीय विद्यालय और डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। रिहैबिलिटेशन एसोसिएशन फॉर ह्यूमन की पहल पर स्थापित इस संस्थान में फिलहाल कक्षा पहली से पांचवीं तक के दिव्यांग बच्चों को आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा दी जाएगी, जबकि डिजिटल लाइब्रेरी में क्षेत्र के सभी वर्ग के लोग अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन एशियन यूथ गेम्स, दुबई 2025 के स्वर्ण पदक विजेता झोंगो पाहन एवं कांस्य पदक विजेता जीतू राम बेदिया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर झोंगो पाहन ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और अवसर उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। ऐसे संस्थान उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेंगे।

जीतू राम बेदिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की पहल सराहनीय है, जिससे जरूरतमंद बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। विशिष्ट अतिथि जेएलकेएम नेत्री पूजा कुमारी ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का आधार है और दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास आवश्यक हैं। वहीं कसमार के अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने इसे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। संस्था के अध्यक्ष कृष्ण किशोर नायक ने बताया कि यह कसमार प्रखंड का पहला आवासीय दिव्यांग विद्यालय है, जहां बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी में सभी वर्ग के लोगों को निशुल्क अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और योगाभ्यास की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर शाम को खोरठा गायक मिलन दास का सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मौके पर सेवानिवृत शिक्षक निशाकर दे, दीपक पुनरिआर, भुवनेश्वर महतो, सौरभ जायसवाल, सुकदेव राम, सिंहपुर पंसस विनोद महतो, भस्की मुखिया मंटूराम मरांडी, तुलसी महतो, तेजू महतो, गोबिंद महतो, मनीष जायसवाल, चांदमुख महतो, कपिलेश्वर नायक, संजय सिंह, सिद्धेश्वर प्रजापति, भूषण महतो, अरुण रंजन, मानू महतो, बीरबल महतो सहित संस्था के कई सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे।

डीपीएस बोकारो के अभिषेक ने भी पाई यूपीएससी में शानदार सफलता, मिली 308वीं रैंक

» चार-चार पूर्व विद्यार्थियों की कामयाबी से विद्यालय का दबदबा बरकरार, प्राचार्य ने दीं शुभकामनाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2025 में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो का छात्र रहे अभिषेक सिंह ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। देशभर में 308वां स्थान प्राप्त करने वाले अभिषेक की इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई-लिखाई डीपीएस बोकारो से हुई। वर्ष 2014 बैच के छात्र रहे अभिषेक ने दूसरी कक्षा से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई यहीं से की। विद्यालय के सतलज हाउस का छात्र रहे अभिषेक स्कूल के दिनों में बास्केटबॉल वगैरह खेला करते थे, परंतु मुख्य रूप से शुरू से पढ़ाई पर ही केंद्रित रहे।

डीपीएस बोकारो से निकलकर 12वीं के बाद बीआईटी मेसरा से उन्होंने इंजीनियरिंग की। फिर एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी शुरू की, लेकिन उनकी इच्छा प्रशासनिक सेवा में जाने की थी। इसके लिए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर तैयारी तेज की और इस दिशा में प्रयास के क्रम में ही उन्होंने वर्ष 2024 में 67वीं बीपीएससी (बिहार लोक सेवा आयोग) परीक्षा में 23वीं रैंक हासिल की थी। इसके बाद उन्हें सहरसा में प्रशासनिक पदाधिकारी के रूप में ज्वाइन किया। वर्तमान में सहरसा में ही वह वरीय जिला समाहर्ता (सीनियर डिप्टी कलेक्टर) के रूप में पदस्थापित हैं।

बोकारो के चीरा चास स्थित वास्तु विहार फेज- 3 निवासी और फिलहाल मणिपुर में कार्यरत सिविल इंजीनियर दिनेश प्रसाद सिंह एवं गृहिणी आशा सिंह के पुत्र अभिषेक ने कहा कि सरकारी सेवा में रहते हुए यूपीएससी की तैयारी उनके लिए चुनौतीपूर्ण थी, परंतु वह प्रयासरत रहे। डीपीएस बोकारो से मिली शिक्षा-दीक्षा को उन्होंने अपने व्यक्तित्व के विकास का प्रमुख आधार बताया।

अभिषेक की इस सफलता के साथ ही अब डीपीएस बोकारो से यूपीएससी सीएसई 2025 में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या तीन से बढ़कर चार हो गई है। इससे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। विद्यालय की छात्रा रही अपूर्वा वर्मा ने 42वीं रैंक लाकर जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, तो तेजस्विनी सिंह 62वें स्थान के साथ दूसरे नंबर पर रही, जबकि इसी स्कूल के शुभम कुमार महतो ने भी 142वें रैंक के साथ आईएएस अधिकारी बनने के लिए अपनी अहर्ता पूरी कर ली। विद्यालय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, साथ ही पूरे मनोयोग से अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय देते हुए उनसे समृद्ध राष्ट्र-निर्माण में सहयोग की अपील भी की।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

डालसा ने किया नाबालिग बच्चे का रेस्क्यू

धनबादः कोडरमा रेलवे स्टेशन परिसर में भटक रहे एक नाबालिग बच्चे को देखकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसका रेस्क्यू किया। बच्चे को सुरक्षित संरक्षण हेतु सीडब्ल्यूसी (बाल कल्याण समिति) के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उसके पुनर्वास और आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इसकी जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा, मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि कोडरमा रेलवे स्टेशन मे सीतापुर के रहने वाले एक नाबालिग बच्चे को भटकता देख एक व्यक्ति ने डालसा को सूचित किया जिसके बाद डालसा की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

इस रेस्क्यू अभियान में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, पैरालीगल वॉलेंटियर रविंद्र भारती एवं अदिति वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके प्रयासों से बच्चे को समय पर सहायता मिल सकी।

गोविंदपुर में सड़क हादसे में दो की मौत, तीन जख्मी

गोविंदपुर (धनबाद) : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के गहिरा मोड़ एनएच 2 पर शनिवार को स्विफ्ट कार और टेंपो के बीच टक्कर हो ग ई। इस घटना में एक ही परिवार के दो की मौत तथा तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी टेंपों में सवार थे जबकि चालक अकेले स्वीफ्ट चला रहा था। जख्मियों का इलाज एसएनएमएमसीएच धनबाद में चल रहा है। मृतकों में एक महिला और उसके मासूम पुत्र है। जख्मियों में मृतका के पति और दो बच्ची शामिल हैं।

मृतकों और जख्मी तिलावनी गांव के रहने वाले हैं। गहिरा मोड़ के समीप टेंपो रुका ही था कि निरसा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार लापरवाही के साथ टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और चालक को गिरफ्तार कर थाना ले आई। घटना के बाद टेंपो चालक वाहन लेकर भाग निकला।

नन्ही चिट्ठियां, बड़ी मुस्कानः बीएसएल में हस्तलिखित संदेशों से महिला सहयोगियों का हुआ सम्मान

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में बोकारो इस्पात संयंत्र ने मानवीय संवेदनाओं और कार्यस्थल सद्भाव की एक नई मिसाल पेश की है। संयंत्र में लिटिल नोट्स, बिग स्माइल्स (नन्ही चिट्ठियां, बड़ी मुस्कान) नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से कार्मिकों ने अपनी महिला सहयोगियों के प्रति छोटे-छोटे हस्तलिखित पत्रों (ग्रैटिट्यूड नोट्स) के जरिए अपना आभार और सम्मान व्यक्त किया।

इस आयोजन का मुख्य केंद्र बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) का प्रशासनिक भवन रहा। यहां अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. बिभूति भूषण करुणामय ने स्वयं इस पहल में हिस्सा लेकर प्रेरणा पेश की। उन्होंने संदेश दिया कि सहकर्मियों की छोटी सी सराहना भी उनके मनोबल को बढ़ाने और पेशेवर संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में जादुई असर डालती है। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आनंद और डॉ. इंद्रनील चौधरी सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह की अध्यक्षा श्रीमती अनुपमा तिवारी ने इस पहल को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे प्रयास महिला कार्मिकों के योगदान को पहचान देते हैं और संगठन के साथ उनके भावनात्मक जुड़ाव को मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रशंसा करना नहीं, बल्कि एक ऐसी समावेशी कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देना था जहां हर कर्मचारी स्वयं को सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करे।

भौरा में गैस रिसाव व गोफ की घटना पर व्यापारियों में चिंता, चेम्बर ने किया मंथन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

भौरा (धनबाद): भौरा बाजार से सटे छः नंबर कॉलोनी में बीते दिनों हुई गैस रिसाव और गोफ बनने की घटना को लेकर शनिवार को भौरा बाजार स्थित धर्मशाला में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाजार के दुकानदारों के साथ भौरा क्षेत्र के कई गणमान्य लोग भी शामिल हुए और घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गैस रिसाव और गोफ बनने की घटनाएं गंभीर हैं और इसे लेकर सभी को सजग रहने की जरूरत है। चेम्बर के प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल बीसीसीएल प्रबंधन से मिलकर क्षेत्र की सुरक्षा और लोगों की चिंता से जुड़े मुद्दों को उनके समक्ष रखेगा।

बैठक के दौरान कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन द्वारा जानबूझकर भारी ब्लास्टिंग कराई जा रही है, जिससे इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। उनका कहना था कि आउटसोर्सिंग और बीसीसीएल प्रबंधन इन क्षेत्रों को खाली कराना चाहती है। ऐसे में भौरा के अस्तित्व को बचाने के लिए सभी लोगों को एकजुट होकर आगे आने की आवश्यकता है।

बैठक में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रितेश गुप्ता, श्यामसुंदर सांवरिया, विजय कुमार, मनीष पंडित, सोनू सिंह, गोरे यादव, श्रवण कुमार, श्रवण वर्मा, दिलीप सांवरिया, गोबिंद वर्मा, छोटेलाल अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पिंटू कुमार सिंह लगातार छठी बार धनबाद जदयू के जिला अध्यक्ष निर्वाचित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जदयू पार्टी के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रवण कुमार एवं पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो के द्वारा धनबाद जिला के बाबूडीह निवासी पिंटू कुमार सिंह को छठी बार धनबाद जिलाध्यक्ष बनने पर रांची में मनोयनन पत्र सौंपा गया। नवनिर्वाचित धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह को पार्टी के प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, प्रदेश महासचिव उदय सिंह, प्रदेश महासचिव दीप नारायण सिंह, प्रदेश सचिव राजू कुमार सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य विजय सिंह कुशवाहा, गुलाब महतो, केबी सहाय, मुन्ना सिन्हा, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बबलू मोदक, महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पुष्पा पांडेय, महिला नेत्री रीता रानी मंडल, डॉ.राजेश राम, राजकुमार पांडेय, अशोक सिंह, शंकर विद्यार्थी, स्मृतिकांत सिंह, सकलदेव राय, विनय उपाध्याय, बैजू कुमार सिन्हा, अनिल सिन्हा, डब्ल्यू सिंह, चिरकुंडा नगर अध्यक्ष टोनी सिंह, शिशीर दा, अक्षय सिन्हा, जितेंद्र पांडेय, गोपाल चंद्र गोप, शिवचरण महतो आदि ने बधाई दिया।

9 मार्च को पीएमएनएएम अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत अवर प्रादेशिक नियोजनालय, धनबाद द्वारा 9 मार्च 2026 को आईटीआई धनबाद परिसर में प्रधान मंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन किया जाएगा। मेला सुबह 10:00 बजे से शुरू होगा।

नियोजन पदाधिकारी पद्मा कुमारी ने बताया कि इसमें धनबाद जिले के तकनीकी प्रशिक्षित अभ्यर्थी जैसे आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग तथा शॉर्ट टर्म स्किल कोर्स किए हुए युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे। इसके अलावा गैर-तकनीकी छात्र-छात्राएं, जो 5वीं से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई कर चुके हैं, वे भी इसमें शामिल हो सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप पोर्टल www.apprenticeshipindia.gov.in (http://www.apprenticeshipindia.gov.in) पर पंजीकरण कराना होगा।

मेले में एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर, होटल, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, हॉस्पिटल, कोचिंग सेंटर, बैंक आदि क्षेत्रों से जुड़े नियोक्ता भी भाग लेंगे और योग्य अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करेंगे।

अभ्यर्थियों अपने सभी शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 9 मार्च को सुबह 10 बजे आईटीआई धनबाद परिसर में पहुंचकर मेले में भाग ले सकते हैं।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

» 702 यात्रियों से 3 लाख 81 हज़ार 310 रूपए जुर्माने वसूले गए

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 702 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 03,81,310 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

पेयजल की शुद्धता और सुरक्षा में बीएसएल की बड़ी छलांग, क्लोरीन गैस की जगह अब हाइपोक्लोराइड प्रणाली से होगा जल शोधन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने जल प्रबंधन और सुरक्षा मानकों को आधुनिक बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। जल प्रबंधन विभाग में नवनिर्मित हाइपोक्लोराइड डोज़िंग स्टेशन का शनिवार को औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस नई प्रणाली के आने से अब शहरवासियों और संयंत्र कर्मियों को मिलने वाले पेयजल की गुणवत्ता न केवल बेहतर होगी, बल्कि जल शोधन की प्रक्रिया भी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो जाएगी।

खतरनाक क्लोरीन गैस से मिली मुक्ति-संयंत्र में अब तक जल शोधन के लिए क्लोरीन गैस का उपयोग किया जाता था। हालांकि यह विधि प्रभावी थी, लेकिन गैस का भंडारण और इस्तेमाल सुरक्षा के लिहाज से बेहद जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण कार्य था। नवनिर्मित हाइपोक्लोराइड डोज़िंग स्टेशन ने इस खतरे को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक प्रभारी (राउरकेला इस्पात संयंत्र) अतानु भौमिक और अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने संयुक्त रूप से किया।

तकनीकी उन्नयन से शून्य क्षति का लक्ष्य-इस आधुनिक स्टेशन की मदद से अब पेयजल में कीटाणुनाशक की सटीक मात्रा मिलाना संभव होगा। यह तकनीकी बदलाव जीरो हार्म के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रणाली से परिचालन दक्षता बढ़ेगी और सुरक्षा संस्कृति को मजबूती मिलेगी।

इन अधिकारियों के नेतृत्व में पूरा हुआ प्रोजेक्ट-मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) संजीव रंजन सिंह के कुशल नेतृत्व में जल प्रबंधन विभाग की टीम ने इस परियोजना को धरातल पर उतारा है। इस सफल क्रियान्वयन में महाप्रबंधक अनुपम कुमार, के. भट्टाचार्या, उप महाप्रबंधक ई. मिंज समेत सहायक महाप्रबंधकों- एच. शेखर, एस. गंगवार, अंकित कुमार, मनोज कुमार और बी. राम की टीम का सराहनीय योगदान रहा। अतिथियों ने इस पहल को बीएसएल के तकनीकी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

भक्ति के सागर में डूबा तिलाटांड़, 251 कलशों के साथ नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तालगड़िया : अमलाबाद के तिलाटांड़ गांव में शनिवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था तीन दिवसीय नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का, जिसका आगाज़ हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में निकली भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। गायत्री मंत्रों के उच्चारण और गाजे-बाजे की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

कलश यात्रा तिलाटांड़ से प्रारंभ होकर अमलाबाद, केंदुलिया, रोहनियांटाड़ और अमलाबाद कोलियरी होते हुए दामोदर नदी के पावन काली घाट पहुंची। वहां वेदाचार्यों ने वैदिक रीति-रिवाज से पूजन और संकल्प अनुष्ठान संपन्न कराया। इसके पश्चात 251 महिलाओं और कन्याओं ने कलश में जल संग्रह किया। यात्रा वापस यज्ञ मंडप पहुंची, जहां विधिवत कलश स्थापना के साथ महायज्ञ की शुरुआत हुई।

संध्या काल में महाआरती और संगीत के साथ विद्वानों के प्रवचन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। गायत्री परिवार (तिलाटांड़) के सदस्यों ने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का आधार गायत्री और यज्ञ ही हैं। शास्त्रों के अनुसार, गायत्री मां सद्विचार की प्रतीक हैं और यज्ञ सत्कर्म का। जब विचार और कर्म दोनों पवित्र होते हैं, तभी प्राणी मात्र का कल्याण और विश्व शांति संभव है।

9 मार्च को होगी पूर्णाहुति-तीन दिनों तक चलने वाले इस आध्यात्मिक अनुष्ठान का समापन 9 मार्च को होगा। तब तक प्रतिदिन यज्ञ, तर्पण और प्रवचन के कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति के गौरव से अवगत कराया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों और गायत्री परिवार के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

पावर हाउस में चोरी की साजिश नाकाम, तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः निमियाघाट थाना में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद ने बताया कि 6/7 मार्च 2026 की रात प्रतापपुर स्थित बिजली विभाग के पावर हाउस में छह लोगों द्वारा लूटपाट और डकैती की योजना बनाकर ट्रांसफॉर्मर खोलकर उसके तार चोरी करने का प्रयास किया जा रहा था। सभी आरोपी औजार और हथियार के साथ ग्रे रंग की स्विफ्ट डिजायर (जेएच 09एएन 5965) से घटना को अंजाम देने पहुंचे थे। सूचना मिलने पर निमियाघाट पुलिस ने पीछा कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि तीन अन्य फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों में श्याम कुमार पंडित (31) बास्ताकोला (राज एरिया) आईटीआई के पास थाना झरिया, अरुण कुमार पंडित (25) बारताकोला (राज एरिया) स्थायी पता माखर थाना अकबरपुर जिला नवादा (बिहार) और विकास कुमार (26) बास्ताकोला (राज एरिया) शामिल हैं। तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने तीन फरार साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अभियुक्तों ने पूछताछ में निमियाघाट थाना क्षेत्र के रोशनाटुंडा में 12 बंद घरों में हुई चोरी तथा खांकीकला से मोबाइल टावर की बैटरी चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उनकी निशानदेही पर पूर्व में चोरी किए गए ट्रक का टायर रिम सहित बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्विफ्ट डिजायर कार के अलावा सलाय रेंच, पाइप रेंच, गोटी रेंच, टी-रेंच, पेचकस, पाइप/ताला कटर, चाकू, रेंच, रिच रेंच, टेस्टर और प्लास सहित कई औजार भी बरामद किए हैं।

छापेमारी टीम में सुमित प्रसाद के साथ कैलाश प्रसाद महतो, राजेन्द्र प्रसाद, सुमन कुमार, सत्येन्द्र कुमार, शमीम अख्तर तथा निमियाघाट थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

नगरपालिका निर्वाचन 2026: 17 मार्च को होगा शक्ति परीक्षण, शपथ ग्रहण के साथ चुने जाएंगे उपमहापौर और उपाध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले में नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के अंतिम चरण की तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 17 मार्च को चास नगर निगम और फुसरो नगर परिषद के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। इसी दिन उपमहापौर और उपाध्यक्ष पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन (शक्ति परीक्षण) भी संपन्न कराया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को समीक्षा बैठक कर इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और विधि-सम्मत तरीके से पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।

प्रशासनिक योजना के अनुसार, 09 मार्च को जिला दंडाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी द्वारा आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी। 17 मार्च को पूर्वाह्न 11:00 बजे चास नगर निगम और फुसरो नगर परिषद के कार्यालय सभागारों में विशेष बैठकें बुलाई जाएंगी। चास नगर निगम में शपथ ग्रहण प्रमंडलीय आयुक्त (उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल) द्वारा कराया जाएगा, जबकि फुसरो में यह जिम्मेदारी खुद उपायुक्त संभालेंगे।

शपथ ग्रहण के तुरंत बाद होगा अप्रत्यक्ष निर्वाचन-बैठक में सबसे पहले महापौर/अध्यक्ष और फिर वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके ठीक बाद उपमहापौर और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नामांकन पूर्वाह्न 11:30 से 11:45 बजे तक, स्क्रूटनी व नाम वापसी दोपहर 12:30 बजे तक, मतदान दोपहर 12:45 से 01:15 बजे तक तथा मतगणना व परिणाम के लिए दोपहर 01:15 से 02:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद नवनिर्वाचित उपमहापौर/उपाध्यक्ष अपराह्न 02:10 बजे शपथ लेंगे।

टाई होने पर लॉटरी से होगा फैसला-उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि यदि दो प्रत्याशियों को समान मत (टाई) मिलते हैं, तो विजेता का निर्णय लॉटरी (ड्रा ऑफ लॉट्स) के माध्यम से किया जाएगा। मतदान और मतगणना की शुचिता बनाए रखने के लिए विस्तृत एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में डीडीसी शताब्दी मजूमदार, एसी मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा और एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने किया कालीकरण सड़क का शिलान्यास

गोला : गोला प्रखंड के रकुवा में शनिवार को विधायक ममता देवी ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत लिपिया डोगजारा से गांधौनिया बाजार तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में बड़ी राहत मिलेगी। यह सड़क क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे पूर्व संवेदक अय्याज अली ने पुष्पगुच्छ देकर विधायक का स्वागत किया। 2.265 किलोमीटर लंबी इस पथ का निर्माण कार्य करीब 2 करोड़ की लागत से मेसर्स न्यू कंस्ट्रक्शन, तेनुघाट द्वारा किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में रकुवा मुखिया पिंकी देवी, पूर्व मुखिया सुरेश कुमार रजक, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, अमित महतो, गौरीशंकर महतो, हैदर अली, रंजीत मिश्रा, अमोद कुमार राय, गुलाम रब्बानी, मेराज अली सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

नेशनल सेफ्टी वीक जोश के साथ मनाया गया

गोला : गोला प्रखंड क्षेत्र के टोनागातू स्थित इन्लैंड पवार प्लांट में शनिवार को नेशनल सेफ्टी वीक का आयोजन किया गया।इस दौरान कंपनी/प्लांट में कई इवेंट्स ऑर्गनाइज़ किए गए। प्रोग्राम की शुरुआत सेफ्टी शपथ के साथ हुई। इस दौरान, कर्मचारियों को काम पर सेफ्टी के बारे में जागरूक रहने की जानकारी दी गई।मौके पर एक सेफ्टी क्विज़, एक सेफ्टी स्पीच और एक अवेयरनेस सेशन का कार्यकम आयोजित किया गया।जिसमें कर्मचारियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। अधिकारियों ने सेफ्टी नियमों का पालन करने और काम करते समय पीपीई का उपयोग करने के महत्व पर ज़ोर दिया।कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी कर्मचारियों ने सुरक्षित रूप से काम करने और दुर्घटनाओं को रोकने का संकल्प लिया।मौके पर कंपनी के अधिकारी ओर कर्मचारी मौजूद थे

पत्रकार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

गोला : गोला प्रखंड क्षेत्र के पत्रकार लालकिशोर महतो का विगत 1 मार्च को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।। उनके निधन पर शनिवार को गोला के डाक बंगला परिसर में शोकसभा का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्र के सभी पत्रकारों और समाज के गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। साथ ही दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप बर्मन ने कहा कि लालकिशोर महतो आज हम सभी के बीच नहीं है, यह विश्वास ही नहीं हो रहा है। वे काफी मिलनसार व्यक्ति थे और सभी से उनका गहरा लगाव रहा है। उनका इस दुनिया से चले जाना पत्रकारिता क्षेत्र और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्रा ने कहा कि यह घटना काफी दुखद और मर्माहत करने वाली है। वह प्रभावशाली व्यक्ति थे और लगभग 25 वर्षों तक उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में सेवा दी। लालकिशोर महतो के साथ पत्रकारिता कर चुके कुंवर कुमार बक्शी ने कहा कि लालकिशोर महतो का असमय इस दुनिया से चले जाना हमसबों के लिए अपूर्णीय क्षति है। इस घटना से हम सभी काफी मर्माहत है। कार्यक्रम को जितेंद्र कुमार, मोबिन अख्तर, श्रीकांत महतो, राजकुमार, संतोष चौधरी, ओमप्रकाश गुप्ता, सुजीत सिन्हा, अंजनी कुमार सहित कई पत्रकारों ने भी संबोधित करते हुए लालकिशोर महतो के साथ बिताए पत्रकारिता से जुड़े अनुभव और पुरानी यादों को साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोकसभा में पत्रकार सुरेश रविदास, मनोज झा, शिवशंकर तिवारी, अशफाक अहमद, सत्यप्रकाश, टेकलाल महतो, दानिश पटेल, दिलीप करमाली, इरफान अंसारी, सद्दाम हुसैन, समाजसेवी अशोक कुमार महतो, एहतेशामुद्दीन अंसारी, राजमोहन महतो, जयप्रकाश महतो, लालटू चंद्रा, त्रिभुवन महतो, बीनू कुमार महतो, अशोक चक्रपाणि, देवकुमार महतो, गोपाल महतो, सुनील महतो सहित कई लोग शामिल थे।

नाबालिग को हाईवा पर अगवा कर 3 दिनों तक किया गैंगरेप

» हाईवा चालक और खलासी समेत 3 दरिंदे गिरफ्तार,3 फरार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़: पाकुड़ जिले के मालपहाड़ी ओ.पी. क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सामान लेने दुकान गई एक नाबालिग बच्ची को गांव के ही 4 युवकों ने अपने 2 अन्य साथियों के साथ मिलकर अगवा कर लिया। आरोप है कि आरोपियों ने बच्ची को अलग-अलग सुनसान जगहों और एक चलते हाईवा (ट्रक) पर ले जाकर 2-3 दिनों तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हाईवा चालक और खलासी समेत 3 आरोपियों को दबोच लिया है। एसपी निधि द्विवेदी ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान मामले का खुलासा किया।

दहशत के वो 72 घंटे: हाईवा को ही बना लिया था ठिकाना- पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 17 फरवरी को जब वह गांव में स्थित एक दुकान जा रही थी, तभी आरोपियों ने उसे पकड़ लिया। उसे एक हाईवा (JH16H-0651) पर लादकर ले जाया गया। आरोपियों ने करीब 3 दिनों तक उसके साथ दरिंदगी की। मामले की शिकायत 6 मार्च को मालपहाड़ी ओ.पी. में दर्ज कराई गई, जिसके बाद एसपी के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया।

कौन हैं ये 'दरिंदे'?

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर तीन को गिरफ्तार किया जिसमें दशरथ किस्कु (22),सकल टूडु (20): हाईवा का खलासी, प्रधान मरांडी (21): हाईवा का चालक शामिल हैं।

हालांकि पुलिस को घटना में इस्तेमाल किया गया हाईवा ट्रक संख्या JH16H-0651 मिला। वहीं बीएनएस (BNS) की धारा 70(2) और पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने पुलिस के सामने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम बनाई गई थी। तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। वारदात में शामिल अन्य 3 आरोपियों की पहचान हो चुकी है, उन्हें जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

ये रही पुलिस की 'क्रेक' टीम:-इस कार्रवाई को मालपहाड़ी ओ.पी. प्रभारी राहुल गुप्ता के नेतृत्व में परमहंस प्रसाद, मंगल किस्कु, सुभजीत कुमार, अयोध्या राम, प्रदीप कुमार और सुनील रजक की टीम ने अंजाम दिया।

देवर ने भाभी पर ताना देशी कट्टा, आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा: मेहरमा थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के दौरान भाभी पर देशी कट्टा तानने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध देशी पिस्तौल बरामद की है।

मिली जानकारी के अनुसार 6 मार्च 2026 को मेहरमा थाना क्षेत्र की रहने वाली 20 वर्षीय सुहागिनी बेसरा ने थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया कि पारिवारिक विवाद के दौरान उसके देवर अगस्टीन मरांडी ने जान से मारने की नीयत से उस पर देशी कट्टा तान दिया। आवेदन के आधार पर मेहरमा थाना कांड संख्या 32/26 दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गोड्डा के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी अगस्टीन मरांडी (19), पिता सोरेन मरांडी उर्फ सुरेन्द्र मरांडी, निवासी मेहरमा को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर एक अवैध देशी पिस्तौल भी बरामद की गई।

कार्रवाई थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के नेतृत्व में की गई, जिसमें मनोज कुमार निराला, ब्रह्मा सिंह, मनोज कुमार रंजन तथा मेहरमा थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि राशन का उठाव एवं वितरण समय पर हो, इसे प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी हर हाल में सुनिश्चित करें। किसी भी परिस्थिति में लाभुकों के बीच निर्धारित मात्रा से कम राशन का वितरण नहीं किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जन वितरण प्रणाली से मिलने वाले सभी लाभ योग्य लाभुकों तक समय पर पहुंचें, यह अधिकारियों की जिम्मेदारी है।उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम योग्य व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नियमित रूप से गोदामों का निरीक्षण करें तथा यदि कहीं कोई कमी या समस्या हो तो उसे तत्काल दूर करने की दिशा में कार्रवाई करें।बैठक में उपायुक्त ने यह भी कहा कि प्रखंड स्तर के अन्य अधिकारियों के साथ आपूर्ति विभाग का समन्वय बेहतर बना रहे, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि गोदामों की स्थिति अच्छी रहे तथा कहीं भी गोदाम खराब स्थिति में न रहें, इसे सुनिश्चित किया जाए।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने डाकिया योजना के तहत दी जाने वाली खाद्यान्न का वितरण भी निर्धारित मात्रा में एवं समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाभुकों को योजनाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए सभी पदाधिकारी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

गोपीकांदर में जेंडर रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: गोपीकांदर प्रखंड के गोपीकांदर संकुल में जेंडर रिसोर्स सेंटर (जीआरसी) का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय प्रकाश मरांडी ने किया। इस अवसर पर जिला प्रबंधक सामाजिक विकास सारथी कुमारी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस निरंजन कुमार तिवारी, प्रदान संस्था से सुलाग्न दत्ता तथा जेएसएलपीएस से जुड़ी दीदियाँ और संकुल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं को जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण और कानूनी जागरूकता से संबंधित जानकारी दी गई।

विजय प्रकाश मरांडी ने कहा कि जेंडर रिसोर्स सेंटर महिलाओं के अधिकारों की जानकारी, परामर्श और सहायता उपलब्ध कराने का सशक्त मंच बनेगा। थाना प्रभारी मनोज सोरेन ने कहा कि समाज के संतुलित विकास में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है और किसी भी समस्या की स्थिति में महिलाएं इस केंद्र से संपर्क कर सकती हैं। सुलाग्न दत्ता ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाना है, जबकि सारथी कुमारी ने जेंडर आधारित भेदभाव और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर जागरूक रहने का संदेश दिया।

निरंजन कुमार तिवारी ने महिलाओं को जेएसएलपीएस की आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में तीनों संकुलों से सीसी, आईपीआरपी, बीएपी सहित बड़ी संख्या में दीदियाँ शामिल हुईं और जेंडर समानता व महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

शिव महापुराण कथा में 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा का वर्णन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: रामगढ़ प्रखंड के ठाडीहाट में आयोजित शिव महापुराण कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास दुर्गेश नंदन जी महाराज ने भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया और भक्तों को उनके पौराणिक महत्व से अवगत कराया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित है, जहां प्रजापति दक्ष के श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्रमा ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का संबंध भगवान कार्तिकेय के कैलाश छोड़कर दक्षिण की ओर जाने की कथा से जुड़ा है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की कथा राजा चंद्रसेन की भक्ति और शत्रुओं से नगर की रक्षा से संबंधित है, जबकि नर्मदा नदी के मंधाता द्वीप पर स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का आकार ॐ के समान होने के कारण प्रसिद्ध है।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के हिमालय में स्थित केदारनाथ ज्योतिर्लिंग से पांडवों की तपस्या की कथा जुड़ी है। महाराष्ट्र के भोरगिरी गांव के पास भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, उत्तर प्रदेश के काशी में स्थित विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र के नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग और झारखंड के देवघर में स्थित वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का भी विशेष महत्व है। गुजरात के द्वारका में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग तथा महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित ग्रिशनेश्वर ज्योतिर्लिंग की कथाओं का भी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने बताया कि भगवान राम ने रावण के विरुद्ध युद्ध से पहले भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रामेश्वरम में शिवलिंग की स्थापना की थी।

कथा के दौरान दुर्गेश नंदन जी महाराज ने देवर्षि नारद के अहंकार के दमन की कथा भी सुनाई। उन्होंने बताया कि जब नारद मुनि को कामदेव पर विजय पाने का घमंड हुआ तो भगवान विष्णु ने अपनी माया से एक मायावी नगर रचा और विश्वमोहिनी के स्वयंवर में नारद का अहंकार चूर कर दिया। कथा के साथ भजनों का श्रवण कर पूरा ठाडीहाट गांव भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। आयोजन में ठाडीहाट के ग्रामीणों का सहयोग रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दुमका की होनहार बेटी सुदीपा दत्ता को अभिषेक चौरसिया ने कराया मुँह मीठा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: दुमका की होनहार बेटी सुदीपा दत्ता ने संघ लोक सेवा आयोग की कठिन परीक्षा में 41वीं रैंक हासिल कर पूरे जिले का नाम देशभर में रोशन कर दिया। यह उपलब्धि केवल सुदीपा दत्ता की नहीं, बल्कि पूरे दुमका और झारखंड के लिए गर्व का क्षण है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दुमका नगरपालिका के अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया ने सुदीपा दत्ता को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और चॉकलेट खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। उन्होंने कहा कि "आपने दुमका का मान पूरे देश में बढ़ाया है, हमें आप पर गर्व है।"

सुदीपा दत्ता की मेहनत, लगन और संघर्ष आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि अगर लक्ष्य बड़ा हो और मेहनत सच्ची हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।आपने सच में इतिहास रच दिया।पूरा दुमका और झारखंड आप पर गर्व करता है।

108 एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था सुधारने पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिले में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा को सुदृढ़ बनाने को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि 108 एंबुलेंस सेवा आम लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा है, इसलिए इसकी व्यवस्था बेहतर और सुचारू रूप से संचालित होना जरूरी है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर सहायता मिल सके।

बैठक में एंबुलेंस सेवा से जुड़ी मिल रही शिकायतों पर भी चर्चा हुई। अभिजीत सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सिविल सर्जन को 108 एंबुलेंस सेवा की नियमित समीक्षा करने तथा इसकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जिले में 108 सेवा के तहत 15 एंबुलेंस संचालित हो रही हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी एंबुलेंस का समुचित डाटाबेस तैयार किया जाए, जिसमें एंबुलेंस की संख्या, तैनाती स्थल, चालक और तकनीकी स्थिति से जुड़ी जानकारी अद्यतन रहे। साथ ही सभी एंबुलेंस में अनिवार्य रूप से जीपीएस प्रणाली स्थापित कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर निकटतम एंबुलेंस को तुरंत मरीज तक भेजा जा सके। बैठक में सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

पाकुड़ में उद्यान व मधु महोत्सव, किसानों को मिली नई तकनीक की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़: बाजार समिति परिसर में शनिवार को उद्यान महोत्सव सह मधु महोत्सव एवं उद्यानिकी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार और जिला उद्यान पदाधिकारी प्रसनजीत महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में जिले भर से बड़ी संख्या में किसान, स्वयं सहायता समूह और कृषि से जुड़े लोगों ने भाग लिया। विभिन्न विभागों और समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में फल, सब्जी, मधु उत्पादन, मशरूम, पौधरोपण, जैविक खेती और उद्यानिकी से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर मनीष कुमार ने किसानों को समेकित खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि कम जमीन में भी सही योजना के साथ बकरी पालन, मुर्गी पालन, फल और सब्जी उत्पादन जैसी विविध गतिविधियों से अच्छी आय अर्जित की जा सकती है। उन्होंने रासायनिक खाद के अत्यधिक उपयोग से बचते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया और कहा कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन तथा उद्यानिकी गतिविधियों से छोटे किसान भी बेहतर आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से बिरसा हरित ग्राम योजना और दीदी बाड़ी योजना जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

प्रसनजीत महतो ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, जल संरक्षण और संसाधनों के संतुलित उपयोग पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर और पॉलीहाउस जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मनीष कुमार ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और उद्यानिकी विभाग के अंतरराज्यीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जिले के 80 किसानों को उन्नत तकनीक के प्रशिक्षण के लिए नोएडा और उत्तराखंड रवाना किया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 08 मार्च, 2026

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था। ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को "सुरक्षित एवं निष्क्रिय" मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।ó डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया। जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी-क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।"

महिला सशक्तिकरण : राष्ट्र के विकास के लिए अनिवार्य

ई0 प्रभात किशोर

भारतीय संस्कृति और सभ्यता में महिलाओं को सर्वोच्च सम्मान प्राप्त है। कल-कल बहती नदियां मानव व समस्त जीव-जन्तुओं की जीवन रेखा हैं, जिस कारण उसे माता की संज्ञा दी गयी है । इसी प्रकार हम अपने देश को भी माता के समान पूजनीय मानते हुए ''भारत माता'' कहते हैं । हमारे अधिकांश पर्व-त्योहार विभिन्न रूपों में देवियों की आराधना पर आधारित हैं। एक धर्मशास्त्र से के अनुसार, ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता, यत्रस्तु न पूज्यन्ते, सर्वस्तात्र फल क्रिया'' , अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते है एवं सम्मान में वृद्धि होती है तथा जहां कहीं भी नारी का अपमान होता है, वहां सभी कार्य चाहे वह कितने भी परोपकारी क्यों न हों, निष्फल रहते हैं।

दुर्भाग्य से, समय के साथ, पूरे विश्व में महिलाओं की स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती गई और समाज में सती प्रथा, शिशुहत्या, बाल विवाह, दहेज, महिला पुनर्विवाह पर वर्जना, तीन तलाक, निकाह हलाला और कई अन्य भेदभाव वाली प्रथाओं का प्रचलन बढ़ा। देश के साथ-साथ विदेशों में भी कई समाज सुधारकों ने इन अमानवीय रूढ़ियों की समाप्ति हेतु संघर्ष किया है और कुछ हद तक समाज में बदलाव परिलक्षित हुए हैं। भारतीय नारीवाद की जननी और भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले ने समाज-निर्मित भेदभावपूर्ण प्रथाओं की बेड़ियों से मुक्ति हेतु महिलाओं के साथ-साथ गर्भवती एवं बलात्कार पीड़ितों के लिए देखभाल केंद्र एवं अनेक विद्यालय प्रारम्भ किए।

हमारा संविधान महिलाओं को समानता, गरिमा और भेदभाव से मुक्त समान अधिकार प्रदान करता है। अनेक कानून एवं नीतियां, विशेषकर बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019, राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण की नीति 2001, एकीकृत बाल संरक्षण योजना 2009, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आदि सामाजिक कुरीतियों की विकट स्थिति से निपटने के लिए लागू किये गये हैं। पहले सिर्फ अच्छे वर और अच्छे घर के साथ लड़कियों के सपनों का सामना उनके घरों की चार दीवारों के भीतर सीमित जीवन से होता था। वैश्वीकरण और शिक्षा के प्रसार के उपरान्त, उन्होंने चहारदीवारी की बाधाओं और सीमाओं को तोड़ने, अपने सपनों और वास्तविकता के बीच की खाई को पाटने का संकल्प लिया और महसूस किया कि बाहरी दुनिया बहुत आकर्षक है और उन्हें आगे बढ़ने की अपनी आकांक्षा को पूरा करना चाहिए।

एक समय महिलाओं को केवल बाल देखभाल और घरेलू कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता था। साथ हीं उनके घरेलू कार्यों को हमेशा कम आंका गया है । अब समय बदल गया है और उन्हें मुख्यधारा के कार्यबल का अहम हिस्सा माना जा रहा है। वे हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, चाहे वह व्यवसाय हो, राजनीति हो, सामाजिक कार्य हो, पत्रकारिता हो या फिर सरकारी नौकरी हो । उनका योगदान लैंगिक समानता का प्रतिबिंब है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लक्ष्य -5 को विशेष रूप से वर्ष 2030 तक सभी महिलाओं और बालिकाओं के लिंग समानता और सशक्तिकरण के लिए डिजाइन किया गया है।

महिला सशक्तिकरण का अर्थ है सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक रूप से राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक रूप से महिला को सशक्त बनाना । महिला सशक्तिकरण हेतु अंग्रेजी में 3 एल क्रमशः लर्निंग, लेबर एवं लीडरशिप आवश्यक हैं। सीखने से महिला को असीम ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है जिससे उनके विचारों को व्यापक बनाया जा सकता है और नकारात्मक सोंच को दूर किया जा सकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके और प्रासंगिक अवसर प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाने से उनका समग्र विकास एवं उन्नति होगी तथा लैंगिक पूर्वाग्रह को दूर करने में सहायता मिलेगी।

एक कहावत है, ''संस्कृताः स्त्री पराशक्तिः'' अर्थात एक प्रबुद्ध महिला अनंत शक्ति का स्रोत है। शिक्षा के क्षेत्र में, विभिन्न केंद्रीय और राज्य शैक्षिक योजनाओं जैसे बिहार शिक्षा परियोजना, लोक जुम्बिश

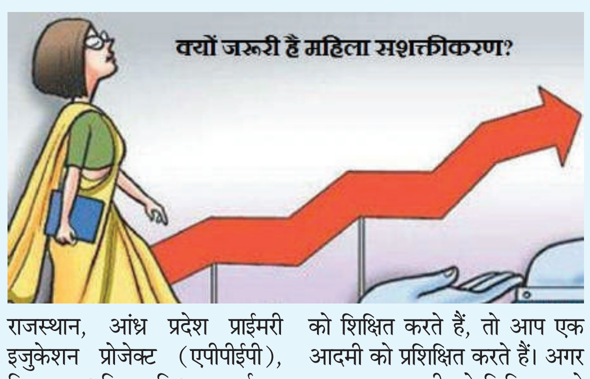

राजस्थान, आंध्र प्रदेश प्राईमरी इजुकेशन प्रोजेक्ट (एपीपीईपी), जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी), सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए), समग्र शिक्षा (एसएस), नेशनल प्रोग्राम फॉर इजुकेशन ऑफ गर्ल्स एट इलिमेन्टरी लेवल (एनपीईजीईएल), कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी),, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आदि के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है।

महात्मा गांधी के अनुसार, ''यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं, लेकिन यदि आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पूरे परिवार को शिक्षित करते हैं।'' एक प्रसिद्ध अफ्रीकी कहावत है '' यदि आप एक लड़के को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को प्रशिक्षित करते हैं। अगर आप एक लड़की को शिक्षित करते हैं, तो आप एक गांव को प्रशिक्षित करते हैं।'' सामाजिक क्षेत्र में, पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण, शिक्षकों की भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण और बिहार में महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण से राज्य में राजनीतिक और सामाजिक क्रांति का सूत्रपात हुआ है। वर्तमान में, भारत के अधिकांश राज्यों ने पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं को जमीनी स्तर पर निर्णय निर्माताओं के रूप में सशक्त बनाने के लिए आरक्षण प्रदान किया है। इन पहलों ने सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक का काम किया है।

सरकार ने महिलाओं के शोषण-मुक्ति तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उददेश्य से कई योजनाएं

आज का राशिफल

मेष राशिः के जातकों के लिए आज का दिन काफी अनुकूल रह सकता है। व्यापार या कामकाज से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आय में वृद्धि के संकेत दिखाई दे रहे हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हो सकती है। किसी भी काम में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य के साथ आगे बढ़ना अधिक लाभदायक रहेगा।

वृष राशिः के लोगों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित और सहयोग देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है, जिसे आप अपनी मेहनत और क्षमता से पूरा करने में सफल रहेंगे। चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ करने पर परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। पारिवारिक जीवन में शांति और आपसी समझ बढ़ेगी।

मिथुन राशिः के जातकों के लिए आज भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए या अधूरे कार्य किसी की मदद से पूरे हो सकते हैं। बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करना लाभदायक रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है, खासकर यदि आप जमीन या प्रॉपर्टी से जुड़े निर्णय लेने की सोच रहे हैं।

कर्क राशिः वालों के लिए शुक्रवार का दिन सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। जिन कार्यों को आप पूरा करना चाहते हैं, उनमें अपेक्षाकृत आसानी से सफलता मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी महत्वपूर्ण बैठक या चर्चा से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए भी प्रगति के संकेत मिल सकते हैं

सिंह राशिः के लोगों के लिए आज का दिन व्यस्त लेकिन परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना है और आने वाले समय की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी नई साझेदारी या समझौते से आर्थिक लाभ मिल सकता है।

कन्या राशिः के जातकों के लिए आज का दिन व्यापार और कामकाज के लिहाज से लाभकारी साबित हो सकता है। परिवार या बड़े भाई की सलाह से व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है और उनकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है।

तुला राशिः के लोगों के लिए आज का दिन सामान्य लेकिन अवसरों से भरा रह सकता है। प्रॉपर्टी या निवेश से जुड़े मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने का समय है। आय के नए स्रोत मिलने की संभावना भी बन सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। छात्रों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता और मेहनत आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। हालांकि कुछ लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता हो सकती है, इसलिए निर्णय लेते समय सावधानी रखें। आत्मविश्वास के साथ किए गए कार्य कम समय में पूरे हो सकते हैं।

धनु राशि :के लोगों के लिए आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम और व्यवहार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो भविष्य में इससे अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिवार के सदस्यों से सलाह लेकर लिए गए निर्णय लाभकारी साबित हो सकते हैं।

मकर राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतुलित रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में किसी भी काम को खुद की निगरानी में करना बेहतर रहेगा। व्यापार में साझेदारी या नई योजनाओं को लागू करते समय सोच-समझकर निर्णय लेना आवश्यक होगा। परिवार में पहले से चल रही किसी गलतफहमी का समाधान निकल सकता है, जिससे माहौल बेहतर होगा।

कुंभ राशि :वालों के लिए आज का दिन प्रगति और अवसर लेकर आ सकता है। प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं, खासकर यदि कोई पुराना सौदा लंबित है। आर्थिक लाभ के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। पुराने मित्रों से संपर्क होने की संभावना है, जिससे पुरानी यादें ताजा हो सकती हैं।

मीन राशिः के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन संतोषजनक रह सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को सामान्य से अधिक लाभ मिलने के संकेत हैं, खासकर यात्रा या सेवा से जुड़े कार्यों में। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन सकती है, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का वातावरण सकारात्मक रहेगा।

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नज़रिया

रमेश सर्राफ धमोरा

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है, जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस साल 1911 से हर साल 8 मार्च पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा, नेतृत्व, उद्यमिता, विज्ञान, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं, तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है। भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं, जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले, 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं। 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए। 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत, कुत्तों के झुंड का पीछा करने से बाइक बेकाबू हुई

हाजीपुर। हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक सचिन कुमार की मौत हो गई। यह घटना देर रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर हुई।मृतक की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के खोपी गांव निवासी के रूप में हुई है। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में दिख रहा है कि रात करीब 11 बजे वास्तु बिहार फेज वन के अंदर एक चलती कार का कुत्तों का झुंड पीछा कर रहा था। इसी दौरान एक बाइक आ गई और कुत्ते कार को छोड़कर बाइक के पीछे दौड़ने लगे।इससे बाइक चालक अपना संतुलन खो बैठा और कार से टकराकर सड़क पर गिर गया,जिससे सचिन कुमार की मौत हो गई। मृतक सचिन कुमार अमरनाथ सिंह के पुत्र थे और अविवाहित थे। वह दो भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। फिलहाल,वह हाजीपुर औद्योगिक थाना क्षेत्र के वास्तु बिहार फेज वन में किराए के मकान में रहते थे। परिजनों ने सचिन की मौत को संदिग्ध बताया है और पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मृतक के चाचा पिंटू कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें कोलकाता से फोन पर सड़क हादसे में सचिन के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना मिली थी। जब वे अस्पताल पहुंचे,तो उन्हें सचिन की मौत की जानकारी मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मृतक के फूफा श्याम सुंदर सिंह ने बताया कि सचिन अपने पूरे परिवार के साथ वास्तु बिहार फेज वन में रहता था। घटना के दिन वह अपने तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। श्याम सुंदर सिंह के अनुसार, सचिन गाड़ी में बीच में बैठा था,जबकि उसके आगे और पीछे बैठे दोस्त सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं है और वे इसे संदिग्ध मानते हैं। उन्होंने पुलिस से जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुत्ते के पीछा करने से बाइक से गिरकर मौत हुई है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल के पास सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है,जिसमें घटना अस्पष्ट दिखाई दे रही है।

पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा सेवा से बर्खास्त, भ्रष्टाचार और बरामद सोना-नगदी गायब करने का आरोप

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस उप-निरीक्षक सुमनजी झा को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते आज 7 मार्च से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर रिश्वत लेने और बरामद सोने तथा अन्य बहुमूल्य सामग्री को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने का आरोप था। सुमनजी झा वर्तमान में वैशाली जिले में पदस्थापित थे। यह कार्रवाई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना में पवन कुमार नामक एक शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुई। शिकायत के सत्यापन में भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए गए। इसके उपरांत, निगरानी थाना कांड संख्या 08/24, दिनांक 04.09.2024 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम, 2018) की धारा 7 (ए) के तहत सुमनजी झा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 4 सितंबर 2024 को सुमनजी झा को सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के बंधारा बाजार के पास परिवादी से 11,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इस आरोप के संबंध में उनके विरुद्ध मुजफ्फरपुर जिला में विभागीय कार्यवाही संख्या 39/24 शुरू की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-2, मुजफ्फरपुर, मनोज कुमार सिंह को इसका संचालन अधिकारी नियुक्त किया गया था। विभागीय जांच के बाद संचालन अधिकारी ने सुमनजी झा को रिश्वत के आरोप में दोषी पाया। इसी क्रम में, सुमनजी झा के खिलाफ लालगंज थानांतर्गत लगभग 1.5 किलोग्राम सोना और अन्य बहुमूल्य सामग्री/नकदी को जब्त सूची में पूरी तरह से न दिखाने के आरोप में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई। यह लालगंज थाना कांड संख्या 11/26, दिनांक 05.01.2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत दर्ज हुई। इस मामले में अलग से विभागीय कार्यवाही 10/26 भी शुरू की गई है। पुलिस विभाग एक अनुशासित संगठन है। विभाग का मानना है कि भ्रष्टाचार में संलिप्त पुलिस अधिकारियों या कर्मियों का सेवा में बने रहना आम जनता और संगठन के अन्य पुलिस कर्मियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उक्त सभी आरोपों की गहन समीक्षा और जांच प्राधिकार के मंतव्य से सहमत होते हुए, सुमनजी झा को 7 मार्च 2026 से सेवा से बर्खास्त करने का अंतिम निर्णय लिया गया।

जुड़ावनपुर फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार, आपसी विवाद के बाद हुई थी घटना, खोखा- जिंदा कारतूस बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना के संबंध में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 4 मार्च 2026 को शिवनगर इकौना में आपसी विवाद के चलते हुई थी। पुलिस के अनुसार, इस वारदात को दो बाइकों पर सवार चार लोगों ने अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खाली कारतूस (खोखा) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर घटना में शामिल सभी चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 42/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धर्मेंद्र कुमार उर्फ भुला , रामाधार राय , प्रमोद राय उर्फ बोधि राय और नंदलाल राय के रूप में हुई है। ये सभी जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र, वैशाली जिले के निवासी हैं।

सड़क किनारे मिले बच्चे के शव की हुई पहचान, 25 फरवरी को बीमारी से हुई थी मौत, मां-नानी ने फेंका बॉडी

हाजीपुर। वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र के रजौली गांव में 3 मार्च को सड़क किनारे मिले अज्ञात शिशु के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान गुड्डू सिंह के 3 वर्षीय पुत्र अंश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्चे की मां और नानी ने ही उसका शव सड़क किनारे फेंका था। सदर थाना पुलिस के अनुसार, बच्चा लगातार बीमार रहता था और परिजन उसके इलाज में असमर्थ थे। 25 फरवरी को बच्चे की मौत उसकी नानी के घर महुआ थाना क्षेत्र के सूरजपुर में हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद उसकी नानी और मां ने अंतिम संस्कार करने के बजाय शव को घर से लाकर रजौली गांव में सड़क किनारे फेंक दिया। पांच दिन बाद, 3 मार्च को स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस लगातार बच्चे की पहचान करने में जुटी थी। जब स्थानीय लोगों ने खबर देखी, तो उन्होंने पुलिस को बताया कि यह बच्चा महुआ थाना क्षेत्र के सूरजपुर निवासी अशोक पांडे का नाती है। पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया। बच्चे की नानी ने बताया कि जन्म से ही बच्चा पैरालिसिस का शिकार था और वे उसके इलाज में असमर्थ थे। 25 फरवरी को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने नानी से आवेदन प्राप्त कर शव परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि बच्चे की मौत के बाद मां और नानी ने मानवता को शर्मसार किया है। यदि वे अंतिम संस्कार में असमर्थ थे, तो उन्हें स्थानीय लोगों से मदद मांगनी चाहिए थी, न कि शव को सड़क किनारे फेंकना चाहिए था।

अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : विजय सिन्हा

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कहा कि राज्य में अवैध बैनर और पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से विभाग आर्थिक अपराधियों की तरह निपटेगा, क्योंकि ये संगठित तरीके से सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों में कुछ लोग सिंडिकेट बनाकर अवैध होर्डिंग और बैनर लगाकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई करता है तो ये लोग आजीविका का हवाला देकर न्यायालय की शरण में चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की सख्ती के बाद राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग के मामलों में करीब 20 लाख रुपये की दंड राशि वसूली की जा चुकी है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर नगर निगम ने अवैध होर्डिंग के मामले में 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है और 19 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है।

दरभंगा नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध होर्डिंग हटाकर उससे संबंधित सामान जब्त कर लिया है। वहीं मुजफ्फरपुर नगर निगम क्षेत्र में करीब 55 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं। बेगूसराय नगर निगम में सात अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं और 71 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। कटिहार नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए होर्डिंग लगाने को लेकर लगभग 25 लाख 75 हजार रुपये का एकरारनामा किया है।

पटना नगर निगम क्षेत्र में भी अवैध होर्डिंग के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। अब तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात सुगमता और जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी छह अंचलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों और निजी भवनों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं और जिन एजेंसियों पर बकाया है, उन्हें जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया गया है।

विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस जारीः उपमुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पटना नगर निगम ने राजस्व वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शहर की 54 विज्ञापन एजेंसियों पर निगम का भारी बकाया है, जिसे जमा करने के लिए नोटिस भेज दिया गया है। आंकड़ों के अनुसार विज्ञापन मद में कुल 107.12 करोड़ रुपये की बकाया राशि है।

राबड़ी बोलीं- मुख्यमंत्री को जबरदस्ती हटाया जा रहा

एजेंसी, पटना

दिल्ली में रूटीन चेकअप के बाद लालू प्रसाद और राबड़ी देवी शनिवार को पटना पहुंचे। राबड़ी देवी ने कहा, 'मुख्यमंत्री को जबरदस्ती हटाया जा रहा है। उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। बिहार छोड़कर नहीं जाना चाहिए। नीतीश कुमार को बिहार में ही रहकर काम करना चाहिए और मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहिए।' इधर, बिहार में जारी सियासी उठापटक के बीच नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। करीब 10 मिनट तक उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि विदाई प्रोटोकॉल के तहत नीतीश कुमार उनसे मिलने पहुंचे थे। उपेंद्र कुशवाहा ने CM हाउस में नीतीश कुमार से मुलाकात की है। इस दौरान उनसे साथ संजय झा भी मौजूद थे।

इधर, पॉलिटिकल पारी शुरू करने से पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार एक्टिव हो गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के आवास पर लगभग 24 विधायकों के साथ बैठक की। जिसमें परिवहन मंत्री श्रवण कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता और युवा विधायक भी शामिल

◆ बिहार नहीं छोड़ना चाहिए, कल 1 बजे जदयू जॉइन करेंगे निशांत, मंत्री बोले-जब तक नीतीश, तब तक शराबबंदी

हुए। बैठक के बाद संजय झा ने बताया कि निशांत कुमार कल 1 बजे जदयू जॉइन करेंगे।

वहीं बिहारशरीफ में मंत्री श्रवण कुमार ने आज शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक नीतीश कुमार हैं, बिहार में शराबबंदी नहीं हटेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 से 14 मार्च के बीच इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक उनके राज्यसभा में नामांकन भरने के बाद नए सीएम को लेकर भाजपा और JDU के बीच चर्चा जारी है। इधर शुक्रवार को CM हाउस में मुख्यमंत्री की JDU विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक हुई।

पटना हाई कोर्ट के आदेश का भी असर नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के राजीव नगर इलाके में आवास बोर्ड की जमीन पर निर्माण कार्य जारी है। इसमें बहुत सारी ऐसी प्लॉट हैं, जिनके बारे में आवास बोर्ड की ओर से पहले ही थाने में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद इन प्लॉट पर निर्माण कार्य जारी है। आवास बोर्ड की सहायक अभियंता ने भी राजीव नगर थाने की पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि राजीव नगर थाने की पुलिस की रवैए भी इस तरीके के मामले में ठीक नहीं है।

आवास बोर्ड की जमीन पर काम जारीः सहायक अभियंता जियाउल हसन ने बताया कि, 'रोस्टर ड्यूटी के मुताबिक निरीक्षण करने राजीव नगर पहुंचे थे। तीन जगहों पर अवैध तरीके से निर्माण चल रहा था। बार-बार समझाने के बावजूद भी वह लोग नहीं माने। इसमें से कुछ प्लॉट ऐसे थे, जिनके ऊपर पहले से ही राजीव नगर थाने में शिकायत दर्ज

❐ राजीव नगर में आवास बोर्ड की जमीन पर कब्जा जारी, शिकायत महज पुलिस के लिए खानापूर्ति

है। बावजूद इसके निर्माण कराए जा रहे थे।' सहायक अभियंता जियाउल हसन के मुताबिक, राजीव नगर थाने पर पहुंचकर जब उन्होंने शिकायत की तो FIR नहीं दर्ज की गई और ना रिसीविंग मिली। उनका आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। आवेदन में सुधार करने के नाम पर घंटों टालमटोल करते रहे। फिर आवास बोर्ड की ओर से की जा रही है, लेकिन काम नहीं रुक रहा है।

जेडीयू के पूर्व विधायक के घर चोरी, सीएम नीतीश की पार्टी मीटिंग में व्यस्त थे नेताजी

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर थाना अंतर्गत सहदेव पथ मार्ग स्थित जेडीयू के पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह के घर में चोरी की वारदात हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर शास्त्रीनगर थाने की पुलिस पहुंची और छानबीन में जुट गई है। SDPO 2 साकेत कुमार ने बताया कि, एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है। टावर डंप वगैरह लिया जा रहा है। होली के चलते सभी घर गए थे। इसी दौरान घर खाली पाकर अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। सीसीटीवी फुटेज वगैरा भी देखा जा रहा है। फिलहाल 35000 से 40000, डॉक्यूमेंट वगैरह मिसिंग हैं।

जदयू पार्टी माटिंग में गए नेताजी, सूने घर में चोरीः पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह ने बताया कि, होली के चलते सभी लोग बगहा स्थित पैतृक गांव गए थे। इसी

50 हजार कैश सहित गहने चोरी

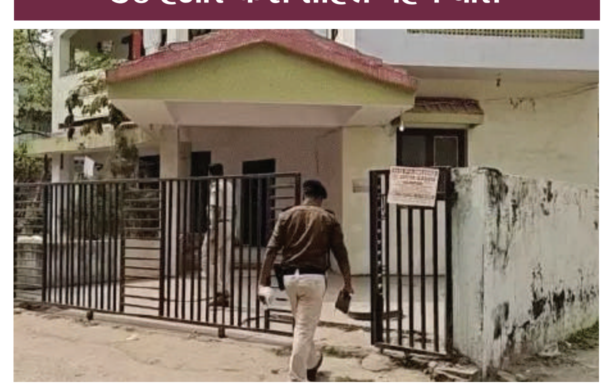

दौरान यह घटना हुई है। 6 मार्च को पार्टी मीटिंग के चलते पटना आए। वर्तमान में जदयू का जिला अध्यक्ष हूं। मीटिंग अटेंड करने के बाद रात में लगभग 9:30 बजे फ्लैट पर सोने के लिए आया तो देखा कि मेन गेट कैंपस का बंद है, लेकिन ऊपर जब अपने फ्लैट में गए तो गेट का लॉक टूटा था और रूम में सामान वगैरह बिखरे पड़े थे।

करीब 50 हजार कैश, गहने और डाक्यूमेंट्स गायब हैं- प्रभात रंजन सिंहः इसके बाद डायल 112 और पुलिस को खबर की गई। कमरे से करीब 40 से 50 हजार रुपए कैश, सोने-चांदी के कुछ गहने और जरूरत के डाक्यूमेंट्स गायब हैं। डॉक्यूमेंट में बेटे की मार्कशीट जमीन के दस्तावेज, पेंशन बुक, पासबुक वगैरह गायब हैं।

बच्चे रहकर करते हैं पढ़ाई- प्रभात रंजन सिंहः प्रभात रंजन सिंह ने बताया कि फ्लैट में परिवार और बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं। मैं पॉलीटिकल एक्टिविटी में लगा रहता हूं। अधिकतर समय अपने क्षेत्र बगहा में बितता है। कभी कभार पार्टी मीटिंग के लिए पटना भी आना होता है। कल मुख्यमंत्री जी की ओर से बैठक बुलाई गई थी और बहुत सारी हैपनिंग पार्टी के अंदर चल रही थी। इसी में शामिल होने पटना आया था। फ्लैट पर पहुंचने के बाद घटना के बारे में जानकारी मिली। फ्लैट की देखरेख करने वाले केयरटेकर रखे गए हैं। उनसे भी हम लोग घटना के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल, मैंने अपनी शिकायत दर्ज करा दी है।

पीयू छात्र संघ अध्यक्ष को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली बुलाया

◆ एनएसयूआई को पूरे बिहार में फैलाने के निर्देश, विनोद जाखड़ बोले-चुनाव में किए वादे पूरा करें

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में नवनिर्वाचित NSUI के अध्यक्ष शांतनु शेखर को NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दिल्ली बुलाया था। उन्होंने शांतनु को सम्मानित किया और संविधान की एक कॉपी भी दी। इस दौरान उन्होंने शांतनु को छात्रों के हित में काम करने के निर्देश दिए। जो भी वादे चुनाव के दौरान किए गए हैं, उसे पूरा करने को कहा। उन्होंने सबको साथ लेकर चलने की बात कही है, ताकि बिहार में एनएसयूआई छात्र संगठन और मजबूत हो। इस दौरान महासचिव खुशी कुमारी और अन्य प्रत्याशी भी मौजूद रहे।

शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेंगे- विनोद जाखड़ः विनोद जाखड़ ने कहा कि, 'पटना विश्वविद्यालय के छात्रों ने साफ संदेश दिया है कि शिक्षा और युवाओं के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे।'

शांतनु ने कहा कि, जिस दिन विनोद जाखड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, उसी दिन मैं पटना यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष निर्वाचित हुआ था। उन्होंने हमें समझाया कि हमारे पास एक बड़ा अपॉर्चुनिटी है। हमें लोगों की हित के लिए काम करना है। NSUI के शांतनु शेखर ने अध्यक्ष पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी छात्र जदयू के प्रिंस कुमार को 1496 वोटों से हराया। शांतनु को 2896, जबकि प्रिंस कुमार 1400 वोट मिले। महासचिव पद पर एनएसयूआई की खुशी कुमारी को जीत हासिल हुई। खुशी को 2164 वोट हासिल हुए। दूसरे स्थान पर छात्र राजद के प्रत्यूष राज को 1611 वोटों से संतोष करना पड़ा। खुशी ने 553 मतों से जीत दर्ज की।

प्रिया कुमारी ने यूपीएससी में 232वीं रैंक हासिल किया, फुलवारी शरीफ के महमदपुर गांव जश्न

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ के महमदपुर गांव की प्रिया कुमारी ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा में 232वीं रैंक हासिल की है। शुक्रवार को परिणाम घोषित होने के बाद उनके गांव में खुशी का माहौल है। प्रिया ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें पटना का जिलाधिकारी बनाया जाए तो वे क्या काम करेंगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे अनियोजित कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने पर ध्यान देंगी। उन्होंने खासतौर पर जल निकासी व्यवस्था, बिजली प्रबंधन और गांवों के शहरीकरण पर काम करने की बात कही। प्रिया ने बताया कि इंटरव्यू के दौरान एक-दो सवाल ऐसे थे, जिनकी उन्हें उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने शांत रहकर जवाब दिया।

आईपीएस बनकर करना चाहती हैं देश सेवाः प्रिया ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई DAV पब्लिक स्कूल वाल्मी से की। इसके बाद उन्होंने मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की और साथ ही यूपीएससी की तैयारी जारी रखी। प्रिया कुमारी ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह आईपीएस बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं।

माता-पिता ने जताया गर्वः पिता राम नारायण सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी बेटा-बेटी में फर्क नहीं किया। उन्होंने हमेशा बच्चों की शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया और अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई पर खर्च किया।' मां सुजानती देवी ने कहा कि, 'हमने हमेशा अपनी बेटी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।' उन्होंने समाज से अपील किया कि बेटियों को आगे बढ़ने की आजादी देनी चाहिए।'

परिवार में शिक्षा का माहौलः प्रिया अपने दो भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनके छोटे भाई प्रिंस कुमार एमटेक करने के बाद Flipkart में मैकेनिकल इंजीनियर के रूप में बेंगलुरु में कार्यरत हैं। ग्रामीणों के अनुसार, प्रिया कुमारी अपने गांव की पहली लड़की हैं जिसने UPSC में सफलता हासिल की है। उनके पिता राम नारायण सिंह भारतीय रेल के सारण स्थित बेला दरियापुर रेल चक्का कारखाना में टेक्नीशियन ग्रेड-वन के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां सुजानती देवी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं। दादा विजय नारायण शर्मा राजस्व कर्मचारी के पद से सेवानिवृत्त हैं।

होली के बाद पटना जंक्शन पर उमड़ी प्रवासियों की भीड़

एजेंसी, पटना

होली का त्योहार खत्म होते ही बिहार से प्रवासी मजदूरों का अपने कार्यस्थलों की ओर लौटना शुरू हो गया है। इसका असर पटना जंक्शन पर साफ दिखाई दे रहा है। शुक्रवार शाम संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस और मगध एक्सप्रेस जैसी दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में होड़ मच गई। कई यात्रियों को काफी मशक्कत के बाद ट्रेन में जगह मिल सकी। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई डिब्बों में एक सीट पर तीन-तीन लोग बैठकर सफर करते नजर आए।

वैशाली के अमरजीत सिंह ने बताया कि वे दिल्ली में मार्बल और टाइल्स लगाने का काम करते हैं। होली की छुट्टी मनाने घर आए थे, लेकिन अब काम पर लौटना

मजबूरी है। उन्होंने कहा कि इस समय ट्रेनों में काफी भीड़ है और उन्हें काफी कोशिश के बाद सीट मिल पाई। अमरजीत के मुताबिक, स्पेशल ट्रेनें अक्सर 20–25 घंटे तक लेट पहुंचती हैं, इसलिए उन्होंने संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस से सफर करना बेहतर समझा, क्योंकि यह ट्रेन आमतौर पर समय पर चलती है। होली के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दानापुर रेल मंडल ने विशेष तैयारियां की हैं। पटना और दानापुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

डेंगू को लेकर पटना नगर निगम अलर्ट फॉगिंग और एंटी-लार्वा का हो रहा छिड़काव

एजेंसी, पटना

पटना शहर में बदलते मौसम को देखते हुए मच्छरों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे देखते हुए पटना नगर निगम अलर्ट मोड में आ गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार सफाई, फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव जैसे काम किए जा रहे हैं, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना को शुरुआती स्तर पर ही खत्म किया जा सके। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मैनहोल और कैचपिट की नियमित सफाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सफाई के दौरान एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव

अनिवार्य रूप से कराएं। ऐसा करने से मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट किया जा सकेगा। शहर में जहां कहीं भी पानी के स्थिर होने की स्थिति देखी जा रही है, वहां विशेष उपाय अपनाए जा रहे हैं। लकड़ी के कुन्नी को कपड़े में बांधकर लगभग 10 सेंटीमीटर व्यास का गोला तैयार किया जा रहा है। इसे जले हुए मोबिल में भिंगोकर स्थिर पानी में चार से पांच की संख्या में डाला जा रहा है, ताकि पानी की सतह पर परत बन सके और मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो। नगर निगम ने सभी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। मच्छरों के प्रभावी नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है।

◆ लकड़ी की कुन्नी और मोबिल से भगाया जाएगा मच्छर

छिड़काव की निगरानी जियो-टैग फोटो के माध्यम से की जा रही है। इसके साथ ही जो रिपोर्ट मुख्यालय में समर्पित की जाएगी, उस रिपोर्ट पर स्थानीय नागरिकों द्वारा भी हस्ताक्षर किया जाएगा जिसका सत्यापन कंट्रोल रूम से भी किया जाएगा। नगर निगम के कर्मी शहर के अलग-अलग इलाकों में नालों की उड़ाही के साथ एंटी-लार्वा छिड़काव का कार्य कर रहे हैं, ताकि जलजमाव और मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

हेल्पलाइन सुविधाः नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और आसपास कूलर, पुराने टायर, गमलों और अन्य बर्तनों में पानी जमा न होने दें। यदि किसी क्षेत्र में फॉगिंग या एंटी-लार्वा छिड़काव की आवश्यकता हो, तो नागरिक नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 155304 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी बीएचयू के गोल्ड मेडलिस्ट पुरु दुबे को 86वीं रैंक

वाराणसी , एजेंसी। यूपीएससी की परीक्षा 2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित हुए। इसमें आईआईटी बीएचयू से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक टॉपर रहे पुरु दुबे को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 86वीं रैंक मिली है। अंबेडकर नगर निवासी पुरु का चयन आईएएस के लिए हुआ है। पुरु ने 2021 में आईआईटी बीएचयू से बीटेक पूरा किया था और

दीक्षांत समारोह में उन्हें दो गोल्ड मेडल और दो कैश प्राइज से सम्मानित किया गया था। इससे पहले उन्होंने दो बार यूपीएससी परीक्षा में साक्षात्कार दिया था।

वहीं, वाराणसी की श्रुति ओला ने 329वीं रैंक हासिल कर अपने माता-पिता और शहर का नाम रोशन किया। श्रुति के पिता सुरेंद्र यादव एनटीपीसी रेलवे के ठेकेदार हैं और माता रेनु यादव वाराणसी के काशी विद्यापीठ ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य हैं। श्रुति ने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा सेंट जोसेफ स्कूल, शक्तिनगर से प्राप्त की। हाईस्कूल में 80 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 76 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण हुई। साल 2020 में बीए हॉनर्स से स्नातक की पढ़ाई बीएचयू के एमएमवी से पूरी की और 2023 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एलएलबी 85 प्रतिशत अंक से की। इसके बाद चार महीने तक हाईकोर्ट में प्रैक्टिस भी भी की। श्रुति ने बताया कि उनके पिता की मेहनत, लगन और मनोबल ने उन्हें आईएएस बनने का सपना देखने और उसे पूरा करने में मदद की। परिणाम आने से पहले तक वह यूपीएससी प्री 2026 की तैयारी कर रही थीं।

हाईवे पर बस की टक्कर से अनियंत्रित कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई, दो युवकों की मौत

बरेली, एजेंसी। शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर बृहस्पतिवार देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। बस से टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई कार हाईवे पर खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार को देर रात एक ढाबे के सामने बरेली की ओर जा रही कार एक बस की टक्कर से अनियंत्रित होने के बाद हाईवे के किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में कार पर सवार लखनऊ के हसनगंज क्षेत्र के मोहल्ला डालीगंज अमित वर्मा (28), मान सिंह (27) की बरेली के एक अस्पताल में मौत हो गई। राहुल और विशाल की हालत गंभीर बनी हुई है।

सभी लोग कार से हरिद्वार जा रहे थे। कार देर रात करीब तीन बजे हाईवे पर एक ढाबे के सामने पहुंची। इसी दौरान कार एक अज्ञात बस से टकराकर अनियंत्रित होने के बाद हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी तेज हुई कि कार के परखचे उड़ने के साथ ही उस पर सवार चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर बरेली के एक निजी अस्पताल से आई एंबुलेंस के चालक रवि ने सभी घायलों को बरेली ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया।

बरेली में कराया गया पोस्टमॉर्टम

इलाज के दौरान घायल अमित और मान सिंह की मौत हो गई। बरेली पुलिस ने दोनों युवकों का पोस्टमॉर्टम कराया है। दोनों घायल युवकों की हालत चिंताजनक बताई गई है। स्थानीय पुलिस को इस हादसे की जानकारी नहीं है। थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह सेंगर के अनुसार हाईवे पर हुए हादसे की थाने पर कोई सूचना नहीं है। हालांकि, घटनास्थल पर पहुंचे बरेली पुलिस के दरोगा सुरेंद्र गौड़ ने बताया कि बस की टक्कर से अनियंत्रित कार ट्रक से टकराने पर कार पर सवार दो युवकों की अस्पताल में मौत हो गई और दो अन्य युवकों का उपचार हो रहा है।

ईरान संकट के बीच खाड़ी देशों में फंसे लोग भारत आने हुए शुरू

चार विमान भी हुए लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना

लखनऊ, एजेंसी। इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की घर वापसी का सिलसिला तेज हो गया है। शुक्रवार को दम्माम, शारजाह, मस्कट, रियाद और जेद्दा से 838 यात्री विशेष और नियमित उड़ानों के जरिये लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर अपनों को देखते ही यात्रियों के चेहरे खिल उठे। वहीं, खाड़ी देशों के लिए 4 उड़ानें रवाना भी हुईं, जिनसे 465 मुसाफिरों ने सफर किया।

पिछले कुछ दिनों से जहां 18-18 उड़ानें निरस्त हो रही थीं, वहीं शुक्रवार को यह सात पर आ गई। खाड़ी देशों से उड़ानों का आंशिक बहाल होना राहत की खबर है। शुक्रवार को दम्माम से आने वाली एक्सवाई-896 से 154 यात्री लखनऊ पहुंचे। ऐसे ही शारजाह से आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-1424 से 163, मस्कट से आने वाली डब्लूवाई-265 से 74, रियाद से आने वाली एक्सवाई-333 से 160, जेद्दा से आने वाली उड़ान एसयू-890 से 287 यात्री लखनऊ पहुंचे।

यात्रियों की आपबीती– लखनऊ पहुंचे एक यात्री ने बताया कि वहां लोगों के बीच घबराहट है, हालांकि एयरपोर्ट पर कामकाज जारी है। हम पिछले दो दिनों से वापसी का इंतजार कर रहे थे, अब घर पहुंचकर राहत मिली है। यात्रियों ने सरकार की पहल की सराहना की।

खाड़ी देशों से लखनऊ आने वाले यात्री सोशल मीडिया पर अनुभव साझा भी कर रहे हैं। एक यात्री ने बताया कि दुबई से आ रही विशेष फ्लाइटों को वहां की एयरफोर्स सुरक्षा दे रही है। जहां खतरा बना हुआ है, उस वायुक्षेत्र में विमानों के आसपास वायुसेना के फाइटर जेट उड़ान भर रहे हैं।

ये सात उड़ानें निरस्त हुईं

सात उड़ानें निरस्त भी रहीं। दुबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-193 व आईएक्स-197, अबुधाबी जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-1415, शारजाह जाने वाली उड़ान 6ई-1424 निरस्त रहीं। वहीं, अबुधाबी से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-1416, दुबई से आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-194 और रियाद से आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स-190 रद्द रहीं।

खाड़ी देशों को रवाना हुईं ये उड़ानें

गत दिवस लखनऊ से जेद्दा, मस्कट, दम्माम, दुबई, रियाद, शारजाह के लिए आठ उड़ानें रवाना हुई थीं। शुक्रवार को चार उड़ानों ने टेकऑफ किया। इसमें लखनऊ से दम्माम जाने वाली एक्सवाई-897 से 84 यात्री, मस्कट जाने वाली डब्लूवाई-266 से 78, रियाद जाने वाली एक्सवाई-334 से 130 और जेद्दा जाने वाली एसयू-891 से 173 यात्री रवाना हुए।

राष्ट्रपति के आगमन की तैयारी में सजने लगा राम मंदिर

श्रीराम नाम मंदिर की स्थापना करेंगी द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ, एजेंसी। रामनगरी में नव संवत्सर समारोह को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। राम मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम के लिए करीब पांच हजार विशिष्ट मेहमानों की सूची तैयार कर ली गई है। समारोह की मुख्य अतिथि राष्टपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। वह राम मंदिर परिसर में लगभग चार घंटे तक रहेंगी। साथ ही राम मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र व श्रीराम नाम मंदिर स्थापना भी करेंगी। पहली बार किसी बड़े कार्यक्रम में दर्शन सुचारु रखने की योजना भी बनी है।

19 मार्च को सुबह नौ बजे से अनुष्ठानों का शुभारंभ हो जाएगा। दक्षिण भारत, काशी व अयोध्या के 51 वैदिक आचार्य अनुष्ठानों को संपन्न कराएंगे। काशी के आचार्य पद्मभूषण पंडित गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में समस्त अनुष्ठान होंगे। समारोह में केरल की आध्यात्मिक गुरु मां अमृता मरी, कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मभूषण वीरेंद्र हेगड़े और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भी शामिल होंगे। मां अमृता के साथ 100 से अधिक अनुयायी भी अयोध्या आ रहे हैं, उनके ठहरने के लिए कमरे बुक कराए जा रहे हैं। मेहमानों में उत्तराखंड के भी कारसेवक शामिल हैं। इसके अलावा अयोध्या जिले से करीब एक हजार लोगों को मेहमान के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही अतिथियों के स्वागत, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग और आवागमन की सुचारु व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रामोत्सव की झलक भी दिखेगी

नव संवत्सर समारोह के साथ ही रामोत्सव की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भक्ति संगीत की प्रस्तुति से पूरे वातावरण को उत्सव मय बनाया जाएगा। रामोत्सव का शुभारंभ भी चैत्र प्रतिपदा के दिन 19 मार्च से होगा और रामनवमी के दिन तक संचालित होगा। इन नौ दिनों में राम मंदिर सहित अयोध्या के विभिन्न मठ-मंदिरों में देवी उपासना के साथ श्रीराम की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। राम मंदिर में श्रद्धालुओं को मिलने वाली सुविधाओं और दर्शन व्यवस्थाओं को परखने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने स्वयं श्रद्धालुओं से संवाद कर फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में दर्शन कर बाहर निकल रहे श्रद्धालुओं से बातचीत की और उनसे पूछा कि दर्शन सुलभता से हो गए या नहीं, किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रशासन की व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए बताया कि दर्शन प्रक्रिया सुचारु ढंग से संपन्न हुई।

दिल्ली से लौटते समय बरेली के सैलून कर्मचारी ने दी जान

ढाबे पर छुरी से काटा अपना गला

बरेली, एजेंसी। बरेली के दुनका निवासी सलमान ने आत्मघाती कदम उठा लिया। दिल्ली से लौटते समय उसने एक ढाबे पर छुरी से अपना गला रेत लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक तनाव के कारण युवक ने आत्महत्या की है।

सैलून कर्मचारी बरेली के शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका निवासी सलमान (26) ने बृहस्पतिवार रात हापुड़ के गढ़ क्षेत्र के अठसैनी गांव स्थित ढाबे पर छुरी से गला काटकर जान दे दी। वह दिल्ली से टैक्सी से बरेली जा रहा था। परिजनों ने तनाव के कारण यह कदम उठाने की आशंका जताई है। कोई तहरीर नहीं दी है। शुक्रवार को उसका शव बरेली में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पुलिस के मुताबिक, अहमदजान के बेटे सलमान दिल्ली के एक सैलून में चचेरे भाई के साथ काम करता था। बृहस्पतिवार को वह एक टैक्सी से दुनका लौट रहा था। उसमें अन्य सवारियां भी थीं। चालक ने टैक्सी को गढ़ क्षेत्र में हाईवे किनारे एक ढाबे पर रोका। वहां सवारियों ने खाना खाया। सलमान टैक्सी से उतरकर कुछ देर बाहर टहला। कुछ देर बाद सलमान ने कैश काउंटर पर रखा चाकू उठा लिया। देखते-ही-देखते 15 सेकंड में सलमान ने अपना गला रेत लिया।

बनारस में रात का पारा सामान्य से 5.2 डिग्री ऊपर

वाराणसी, एजेंसी। बनारस में अगले पांच दिन तक गर्मी बढ़ने के आसार हैं। शुक्रवार को बनारस का अधिकतम पारा सामान्य से 2.5 डिग्री यादा 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री ऊपर 20 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। दिन में भी कड़ी धूप के चलते पसीना भी निकला।

यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आगामी 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। अगले एक सप्ताह के दौरान प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है जिसके कारण प्रदेश में मौसम सूखा रह सकता है। अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है।

सीढ़ियां चढ़कर पहुंचीं 90 वर्ष की वृद्धा, लिफ्ट पर लिखा- टेक्निकल खराबी

मेयर ने अफसरों को फटकारा

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में लिफ्ट खराब होने से 90 वर्षीय वृद्धा विशुना को 50 सीढ़ियां चढ़कर समाधान दिवस में पहुंचना पड़ा। उन्होंने गृहकर राहत की गुहार लगाई। मामले की जानकारी मिलने पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई और समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए।

लखनऊ में तालकटोरा के दरियाबाद निवासी 90 वर्ष की विशुना शुक्रवार सुबह नगर निगम मुख्यालय पहुंचीं। उनके एक कमरे के घर का तीन वर्ष से 972 रुपये का टैक्स नहीं जमा था। गृहकर से राहत की उम्मीद में पहुंचीं विशुना का दर्द मुख्यालय की खराब लिफ्ट ने बढ़ा दिया। जैसे-तैसे करके वह करीब 50 सीढ़ियां चढ़कर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचीं। उन्होंने अव्यवस्था के बारे में महापौर को बताया तो उन्होंने अधिकारियों को फटकारते हुए कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है। इसके साथ ही समस्या को दूर करने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस पर लोग सीवर, सफाई, टैक्स सहित अन्य समस्याएं लेकर पहुंचे थे। लिफ्ट खराब होने से सभी को सीढ़ियां चढ़कर दूसरी मंजिल पर आयोजित समाधान दिवस तक पहुंचना पड़ा। इस दौरान बुजुर्गों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। विशुना ने महापौर सुषमा खर्कवाल को बताया कि उनके परिवार में और कोई नहीं है। इस कारण उन्हें अकेले ही दौड़-भाग करनी पड़ती है। यह भी बताया कि उनके पास टैक्स जमा करने के पैसे भी नहीं हैं। उन्हें समस्या के निस्तारण का आश्वासन मिला। सीढ़ियां चढ़ने में वजीरगंज की रामदुलारी की तबीयत खराब हो गई। उन्होंने महापौर को बताया कि हाउस टैक्स ठीक करवाने के लिए पहुंची थीं, लेकिन यहां सीढ़ी चढ़ने में उनकी हालत बिगड़ गई।

गिनीज बुक में दर्ज होगा मामला

स्टेशन रोड निवासी अशोक कुमार भार्गव ने बताया कि उनकी दुकान वर्ष 2003 से 2013 और 2021 से 2025 तक बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन जब दुकान खुली तो डेढ़ लाख रुपये टैक्स लगा दिया गया। हृदयरोगी अशोक कुमार ने बताया कि प्रकरण की 12 फाइलें बन चुकी हैं। इनमें से एक खो भी गई। नगर निगम को इसकी एफआईआर करानी चाहिए। आरोप लगाया कि उनके पिता के जाली दस्तखत भी कर दिए गए। अशोक कुमार ने भी लिफ्ट न चलने की शिकायत की। संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का निस्तारण अब मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम से होगा। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि इसमें शिकायतकर्ताओं के नाम, मोबाइल नंबर और संबंधित विभाग के नाम दर्ज होंगे।

मेन सेंट्रल मार्केट बंद कर व्यापारियों ने निकाला जुलूस

आवास विकास के गेट पर डाला बेमियादी डेरा

मेरठ , एजेंसी। शास्त्रीनगर स्थित मुख्य सेंट्रल मार्केट की सूरत इन दिनों बदली-बदली नजर आ रही है। ध्वस्तीकरण (बुलडोजर) की कार्रवाई के डर से व्यापारियों में इस कदर दहशत है कि कई दुकानदारों ने खुद ही दुकानों के शटर हटाकर दरवाजे लगा दिए हैं तो कुछ ने दीवारें खड़ी कर दी हैं। इसी संकट के बीच शुक्रवार को व्यापारियों ने बाजार बंद कर जोरदार जुलूस निकाला और जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने अब आवास एवं विकास परिषद के कार्यालय के मुख्य गेट पर बेमियादी धरना शुरू कर दिया है और स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे किसी भी कीमत पर बाजार में बुलडोजर नहीं घुसने देंगे। रात में भी व्यपारी धरने पर डटे रहे।

बाजार में गहराते तनाव को देखते हुए शुक्रवार सुबह एडीएम सिटी बृजेश सिंह खुद व्यापारियों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याओं को सुना। व्यापारियों ने उन्हें अपना ज्ञापन सौंपा। दरअसल पहले व्यापारी गुट ने कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालकर जिलाधिकारी को ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा था लेकिन पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए देर रात व्यापारियों को मार्च न निकालने के लिए मना लिया था। इसके बाद व्यापारियों ने आवास विकास कार्यालय पर ही डेरा डाल दिया।

व्यापारियों की गुटबाजी आई सामने, जमकर हुई धक्का-मुक्की– इस बड़े आंदोलन के दौरान व्यापारियों के बीच की आपसी कलह और गुटबाजी भी खुलकर सतह पर आ गई। सभा के दौरान व्यापारी आपस में ही उलझ गए जिसके चलते तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। जहां एक गुट बाजार बंद कर प्रदर्शन कर रहा था वहीं सेक्टर-2 की ओर जाने वाले मार्ग पर तिरंगा व्यापार संघ से जुड़े दुकानदारों ने अपनी दुकानें खुली रखीं। तिरंगा चौराहे से छंगा हलवाई मार्ग पर भी सामान्य रूप से व्यापार चलता रहा।

- **व्यापारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं, बुलडोजर के आगे लेट जाएंगे–** मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जीतू नागपाल ने दो टूक कहा कि व्यापारियों का शोषण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ऐलान किया कि अगर बुलडोजर बाजार में आता है, तो व्यापारी उसके आगे लेट जाएंगे। वहीं महानगर अध्यक्ष शैंकी वर्मा ने आवास विकास के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके खिलाफ एफआईआर के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।
- **अधिकारियों और आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ मोर्चा–** पूर्व पार्षद एवं पार्षद पति संजीव पुंडीर ने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई सरकार से नहीं बल्कि आवास विकास के अधिकारियों और आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना से है। वहीं पूर्व पार्षद सतीश गर्ग ने बताया कि वे ऊर्जा रायमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों के संपर्क में हैं ताकि कोई बीच का रास्ता निकाला जा सके।

एलपीजी बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव, अब 21 दिन से पहले नहीं बुक होगा गैस सिलिंडर

कानपुर, एजेंसी। वैश्विक युद्ध और तेजी से बदल रहे हालात का असर अब रसोई तक पहुंचने लगा है। गैस कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव करते हुए अंतिम डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग के लिए 21 दिन का अंतराल अनिवार्य कर दिया है।

अभी तक यह सिर्फ 15 दिन का था। इसका सीधा असर जिले के करीब 13 लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। नियम बदलने के बाद अब उपभोक्ताओं को छह दिन अधिक इंतजार करना पड़ेगा। गैस कंपनियों का तर्क है कि वैश्विक युद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के कारण यह फैसला अस्थायी तौर पर लिया गया है। वैश्विक हालात सामान्य होने पर इसमें बदलाव किया जा सकता है।

घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका– एलपीजी वितरक संगठन के संरक्षक भारतीष मिश्रा ने बताया कि इसका उद्देश्य सीमित आपूर्ति के बीच सभी उपभोक्ताओं तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देना है। इस फैसले से शहर के उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है।

हिंदी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 08 मार्च, 2026

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारत विरोधी नेता केपी ओली की हार तय, अपने ही गढ़ में 40,000 वोटों से पिछड़े

काठमांडु। नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। RSP ने अब तक 46 सीटें जीत ली हैं, जबकि 73 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली झापा-5 सीट पर बालेन शाह से 40 हजार वोटों से पीछे चल रहे हैं। उन्हें सिर्फ 15,409 हजार वोट मिले हैं, जबकि बालेन शाह को 55,934 वोट मिल चुके हैं। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था। नेपाल में 110 सीटें पार्टियों को मिले कुल वोट प्रतिशत के आधार पर मिलती हैं। इसमें वोटर किसी उम्मीदवार को नहीं बल्कि किसी पार्टी को वोट देती है। पूरे देश में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी हिसाब से उन्हें संसद में सीटें मिलती हैं। इसमें भी बालेन शाह की RSP आगे है। चुनाव आयोग के अनुसार अब तक RSP को 54.8 प्रतिशत वोट मिले हैं। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी। नेपाल में चुनाव की व्यवस्था मिश्रित चुनाव प्रणाली पर आधारित है। यानी यहां दो तरीकों से सांसद चुने जाते हैं- सीधे चुनाव से और पार्टी को मिले कुल वोट के हिसाब से। संसद की 275 में से 165 सीटों पर सीधे चुनाव होता है। हर इलाके (निर्वाचन क्षेत्र) में लोग अपने उम्मीदवार को वोट देते हैं। जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही जीतता है।

एपस्टीन फाइल- ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप, नए दस्तावेज में खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली। अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाईं, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में जवाब देना होगा। ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में FBI ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्म ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था।

बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से, पहले दिन ही आएगा लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में मौजूद रहने के लिए 3-लाइन व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने अपने सांसदों से कहा है कि वे इन दिनों सदन में मौजूद रहें क्योंकि लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना है। वहीं भाजपा ने भी सांसदों को मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों (29) ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अपनी पार्टी के चेयरपर्सन के निर्देश के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का मन बना लिया है। सूत्रों के मुताबिक TMC सांसद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ वोट करेंगे। आरोप है कि स्पीकर बिरला ने सदन की कार्यवाही चलाने में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्षी नेताओं को बोलने का मौका नहीं दिया। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, इसलिए प्रस्ताव पारित होना कठिन है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्पीकर स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे, लेकिन उन्हें अपना पक्ष रखने और मतदान करने का अधिकार होगा।

स्क्वाड्रन लीडर अनुज का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार, रोहतक में छोटे भाई ने मुखाग्नि दी

रोहतक। असम में सुखोई फाइटर प्लेन क्रैश में शहीद हुए एयरफोर्स के स्क्वाड्रन लीडर अनुज शर्मा का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। रोहतक के ककराना गांव में अनुज के छोटे भाई मनुज ने उन्हें मुखाग्नि दी। अनुज का शव दोपहर को उनके पैतृक गांव ककराना पहुंचा, जहां परिवार के सदस्यों ने उनके अंतिम दर्शन किए। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और मंत्री अरविंद शर्मा भी पहुंचे। अनुज शर्मा का रिश्ता तय हो गया था और परिवार के लोग सगाई व शादी की तैयारियों में जुटे थे, लेकिन इससे पहले ही वे शहीद हो गए। अनुज से जिसकी शादी होनी थी, वह भी एयरफोर्स में पायलट हैं। अनुज के अंतिम संस्कार के बाद मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि यह शहादत देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। आज पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। इस शहादत ने ककराना गांव का नाम बहुत ऊंचा किया है। हम अनुज को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंचे हैं। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। उनकी शहादत का वर्णन करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। अनुज शर्मा का जन्म 9 अगस्त 1993 को रोहतक के ककराना गांव में हुआ। जब अनुज मात्र 7 साल के थे तो परिवार गुरुग्राम शिफ्ट हो गया। अनुज शर्मा की पढ़ाई लिखाई गुरुग्राम में ही हुई। पढ़ाई में शुरू से ही होनहार होने के कारण अनुज शर्मा का 2015 में एयरफोर्स में सिलेक्शन हो गया। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद 2016 में ककराना गांव में अनुज का भव्य स्वागत भी किया गया।

कतर ने ईरान के 9 ड्रोन मार गिराए

एजेंसी, इस्तांबुल

◆ **सऊदी अरब और यूएई ने भी हमलों को किया नाकाम**

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरान की ओर से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर की तरफ दागे गए मिसाइलों और ड्रोन को इन देशों की वायु रक्षा प्रणालियों ने बड़े पैमाने पर इंटरसेप्ट कर नाकाम कर दिया। कतर का दावा है कि उसने ईरान के 10 में से 9 ड्रोन मार गिराए, जबकि एक सुनसान इलाके में गिरा और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलु एजेंसी ने कतर रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि ईरान ने देश पर 10 ड्रोन हमले किए। इनमें से 9 ड्रोन को वायु रक्षा प्रणाली ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, जबकि एक ड्रोन दूरदराज के सुनसान इलाके में गिरा। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि कतर की सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं और नागरिकों एवं विदेशियों से शांत रहने तथा आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

सऊदी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अल-खार्ज स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा शायबा ऑयलफील्ड की ओर बढ़ रहे छह ड्रोन भी मार गिराए गए। इससे पहले रियाद के पूर्व में एक अन्य ड्रोन को भी नष्ट किया गया था। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन खतरों का लगातार जवाब दे रही है। तनाव के बीच दुबई में हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ। एयरलाइन ट्रैकर फ्लाइटरडार24 के अनुसार दुबई जाने वाली कई उड़ानें एयरपोर्ट के ऊपर होल्डिंग पैटर्न में रहीं।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने नागरिकों को सतर्क रहने और नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। कुछ ही घंटों के भीतर देश में दूसरी बार चेतावनी सायरन बजाए गए। कतर की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से सीमित क्षमता के साथ एयर नेविगेशन दोबारा शुरू किया जा रहा है। इस चरण में यात्रियों को निकालने के लिए कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन किया जाएगा। विशेषज्ञों ने कहा कि भले ही ईरान के जवाबी हमलों की तीव्रता कम हो, लेकिन कुछ घटनाएं भी वैश्विक तेल बाजार, हवाई यात्रा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त हैं।

गौरतलब है कि 28 फरवरी से ईरान इजराइल और खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। इन देशों में कई जगह अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कुछ हमलों में बंदरगाहों और रिहायशी इमारतों जैसे नागरिक ठिकानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। तेहरान का कहना है कि ये हमले ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़राइल के सैन्य अभियान के जवाब में किए जा रहे हैं।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारी, रातभर धरनास्थल पर रहीं

बोलीं- एसआईआर में वोटर्स के नाम बंगाल को बांटने के इरादे से हटाए

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता ने शुक्रवार की रात धरना स्थल पर ही बिताई। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट SIR में वोटर लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है। भाजपा बंगाल को बांटकर वोट छीनने की योजना बना रही है। वे (भाजपा नेता) अन्य राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को परेशान कर रहे हैं और बंगालियों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं। धरना स्थल पर ममता के साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं।

ममता ने कहा- 10वीं पास बेरोजगारों को 1500 रुपए महीना मिलेंगेः ममता ने कहा कि 10वीं पास कर चुके 21-40 वर्ष आयु वर्ग के युवा बेरोजगार लड़के-लड़कियों को 7 मार्च से प्रति माह 1,500 रुपए मिलेंगे। यह सहायता मूल रूप से अप्रैल में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब यह तुरंत शुरू हो जाएगी। हमने बजट में दो योजनाओं की घोषणा की थी। एक है 'बंगालर युवा साथी' और दूसरी है 'भूमिहीन खेत मजदूर'। दोनों योजनाएं अप्रैल से शुरू होनी थीं, लेकिन हमने इन्हें आज से शुरू करने का फैसला किया है। वे बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हमारा राज्य कई योजनाएं लाने में पहले स्थान पर है।

बराम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी, हाईकोर्ट ने दिया फैसला

एजेंसी, चंडीगढ़

◆ **7 साल पहले उम्रकैद हुई थी, 3 अन्य की सजा बरकरार**

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल CBI कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया। राम रहीम इससे पहले डेरा मैनेजर रणजीत हत्याकांड में पहले ही हाईकोर्ट से बरी हो चुका है। हालांकि सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है। इस वजह से राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा।

उधर, रामचंद्र के बेटे अंशुल ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि सीबीआई ने इस मामले की अच्छी पैरवी की है, सभी सबूत दिए गए। राम रहीम को बाहर निकालना गलत है। हम अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। 2002 में हुई थी हत्या पत्रकार रामचंद्र छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसको लेकर खूब बवाल मचा था। जिसके बाद मामले की जांच CBI को सौंपी गई थी। CBI की स्पेशल कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद मामले में डेरा मुखी सहित अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

जींद की फैक्ट्री में आग, 5 महिलाओं की मौत

एजेंसी, जींद

❒ **17 मजदूर झुलसे, मेन गेट पर बाहर से ताला लगा था, निकल नहीं पाए तो छत से कूदे**

हरियाणा के जींद में शनिवार को होली के गुलाल और रंग बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 17 मजदूर झुलस गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। घटना सफीदों की भाट कॉलोनी की है। आरोप है कि फैक्ट्री के मेन गेट पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब फैक्ट्री में आग लगी तो मजदूर बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि आग कैसे लगी। सूचना पर DC मोहम्मद इमरान रजा और SP कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

30 मजदूर काम कर रहे थे, अचानक आग भड़कीः जानकारी के अनुसार, सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित एक रंग फैक्ट्री में शनिवार को अन्य दिनों की तरह लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में यह पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुएं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों में चीख-पुकार मच गई।

कुछ लोग जान बचाने के लिए छत से कूदेः आग फैक्ट्री के प्रवेश द्वार के पास लगी थी, जिसका संभावित कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग लगने के बाद अंदर मौजूद महिलाएं और अन्य लोग घबरा गए। कुछ लोग ऊपर की मंजिल पर चढ़ गए, तो कुछ अंदर के कमरों में छिप गए। कुछ लोगों ने ऊपर से कूदकर अपनी जान बचाई और बाहर शोर मचाया।

बाहर से बंद था मेन गेट, लोगों ने तोड़ाः मजदूरों के अनुसार, काम के दौरान फैक्ट्री के मुख्य दरवाजे पर बाहर से ताला लगा हुआ था। आग लगने के बाद जब मजदूरों ने बाहर निकलने की कोशिश की, तो ताला लगा होने के कारण वे अंदर ही कैद होकर रह गए।

युवाओं ने बचाई फंसे लोगों की जानः स्थानीय युवाओं ने अपनी जान पर खेलकर फैक्ट्री में घुसकर लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने दीवार तोड़कर रास्ता बनाया ताकि फंसे हुए लोगों को निकाला जा सके। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाओं ने रेस्क्यू ऑपरेशन को संभाला।

2 महिलाओं की मौके, 3 की बाद में मौतः दो महिलाओं की झुलसने से मौके पर ही मौत हो चुकी थी। कई लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पानीपत अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में 3 और महिलाओं ने दम तोड़ दिया। मृतकों में पूजा निवासी वार्ड नंबर 13 सफीदो, उषा निवासी आदर्श कालोनी सफीदो, पिंकी निवासी सिंघपुरा और गुड्डी निवासी सफीदों की पहचान हो गई है। एक मृतका की पहचान के प्रयास हो रहे हैं।

घायलों में ये शामिल, मृतकों की पहचान नहीं: हादसे के बाद, दो एंबुलेंस की मदद से घायलों को जींद नागरिक अस्पताल ले जाया गया। पहली एंबुलेंस में सफीदों निवासी रानी (45), आदर्श कॉलोनी (सफीदों) निवासी जगबीर (40), और निसिंग (करनाल) निवासी पवन कुमार (30) को लाया गया। जगबीर और पवन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। इसके अलावा, सफीदों की शिव कॉलोनी निवासी कश्मीरी (39), गीता कॉलोनी निवासी कमलेश (54) को भी गंभीर रूप से झुलसी हुई हालत में अस्पताल लाया गया। सफीदों निवासी एक अन्य घायल, बिमला (60) को भी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों और कुछ घायलों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

भोपाल में जलसा-ए-शहादत में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे, मौलाना ने ट्रंप पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

एजेंसी, भोपाल

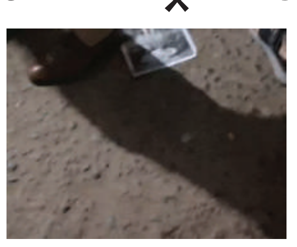

भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र की बिस्मिल्लाह कॉलोनी स्थित मस्जिद गरीब नवाज में ईरान के सुप्रीम लीडर रहबर-ए-मोअज्जम आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई की याद में जलसा-ए-शहादत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टर जमीन पर रखकर पैरों से कुचल दिए। सभा के दौरान इजराइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। बता दें कि ऐशबाग स्थित गरीब नवाज मस्जिद में यह कार्यक्रम शुक्रवार देर रात आयोजित किया गया था।

मौलाना रजी-उल-हसन हैदरी ने कहा, "आज दुनिया में जालिम ताकतें मजलूमों का खून बहा रही हैं। चाहे इजराइल हो या अमेरिका, उनके हाथ मजलूमों और मासूमों के खून से रंगे हुए हैं। अल्लाह उन्हें गैरत दे।" भाषण के दौरान उन्होंने ट्रंप पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने नारेबाजी करते हुए इजराइल और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए।

"भूखे रहेंगे लेकिन तालीम जरूर हासिल करेंगे": मौलाना हैदरी ने कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि हम भूखे रहेंगे लेकिन तालीम जरूर हासिल करेंगे। इसी तालीम की वजह से आज दुनिया की सियासत और टेक्नोलॉजी में उनका असर दिखाई देता है।" उन्होंने कहा कि मुसलमानों को भी तालीम के

पोस्टरों को पैरों से कुचला

मैदान में आगे बढ़ना होगा, क्योंकि किसी भी कौम की तरक्की का रास्ता शिक्षा से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा, "1979 में जब ईरान में इंकलाब कामयाब हुआ तो वहां इल्म और तालीम पर जोर दिया गया। आज उसी तालीम की वजह से बड़े-बड़े सुपर पावर भी उससे खौफजदा नजर आते हैं।" उन्होंने नौजवानों से तालीम हासिल करने और समाज को मजबूत बनाने की अपील की।

"मुसलमानों को टारगेट किए जाने की वजह हमारी बेइत्तहादी": सैयद अजहर हुसैन रिजवी ने कहा, "आज दुनिया में जिस मुल्क में भी मुसलमान हैं, उन्हें टारगेट किया जा रहा है। इसकी एक वजह यह है कि हम मुतहिद नहीं हैं। अकीदे मुख्तलिफ हो सकते हैं, लेकिन इस्लाम सबका एक ही है।" उन्होंने कहा, "कोई नमाज हाथ बांधकर पढ़ता है, कोई हाथ खोलकर पढ़ता है और कोई अलग तरीके से पढ़ता है, लेकिन कुरान सबका एक है और रसूल भी सबके एक हैं। हमें आपस में लड़ने के बजाय एकजुट होना चाहिए।"

"जालिम के मुकाबले में खड़े होने वाले के साथ अल्लाह होता है": रिजवी ने कहा, "सैयद अली खामनेई वो मर्द-ए-मुजाहिद थे जो बड़ी-बड़ी सुपर पावर ताकतों के सामने खड़े रहे। उन्हें मालूम था कि जालिम के मुकाबले में जो खड़ा होता है, उसके साथ अल्लाह होता है। दुनिया किसी को कत्ल तो कर सकती है, लेकिन उसके मकसद को खत्म नहीं कर सकती।"

"खामनेई ने उम्मत को एकता का पैगाम दिया": एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने कहा, "यह पूरे आलम के लिए गहरे गम और सदमे की बात है कि एक ऐसा काइद हमसे रुखसत हो गया, जिसने पूरी उम्मत को इत्तेहाद और इत्तेफाक का पैगाम दिया।"

शंकराचार्य बोले-दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

एजेंसी, वाराणसी

◆ **'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे, गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा करेंगे**

बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गोमाता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कहीं। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। काशी से शंकराचार्य जौनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमारे शंकराचार्यों पर सवाल उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे धर्म में 4 शंकराचार्य हैं। जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने मेरा अभिषेक कर दिया, तो फिर किसी की क्या औकात है कि वह कहे, हम इन्हें नहीं मानते। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का भी अधिकार है। अभी शंकराचार्य सुल्तानपुर पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने कहा- अरे पहले गो-माता की हत्या तो बंद कराओ। आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गो-हत्या बंद हो जाएगी? अगर हिंदू राष्ट्र में भी गो-हत्या जारी रहती है, तो यह अपमानजनक होगा।

हिमाचल के मैदानी इलाकों में हीट-वेव, आज भी 4 जिलों में यलो अलर्ट

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में आज हीट वेव महसूस की गई। मंडी के सुंदरनगर, सोलन, धर्मशाला और भुंतर में तेज गर्मी की लहर देखी गई। मौसम विभाग ने अगले कल (रविवार को) भी इन चार जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए लोगों को दिन के समय धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है। खासकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम पारा भी सामान्य से 5.3 डिग्री ज्यादा हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 6 मार्च को शिमला का औसत अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहता है, लेकिन इस बार न्यूनतम तापमान ही 15.4 डिग्री पहुंच गया है। शिमला का अधिकतम तापमान सामान्य की तुलना में 10.1 डिग्री के उछाल के बाद 25.3 डिग्री हो गया है।

जन औषधि केंद्रों से रोजाना 15 लाख से अधिक लोग खरीदते हैं दवाइयां: नड्डा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की उस महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें, जिसके माध्यम से देशभर के लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। मोदी सरकार की यह पहल कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता को मजबूत बना रही है। नड्डा ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर कहा कि आज देश के शहरों, कस्बों और गांवों में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों के घरों के नज़दीक आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। ये केंद्र परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को संभालने में मदद कर रहे हैं और इलाज के आर्थिक बोझ को कम कर रहे हैं।

वर्तमान में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन इन केंद्रों से दवाइयां खरीदते हैं, जिससे जन औषधि केंद्र लाखों लोगों के लिए एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य समाधान बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि जन औषधि दिवस भारत के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित एक वार्षिक जागरूकता अभियान है। हर साल 7 मार्च को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य लोगों को जेनेरिक दवाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें सस्ती दवाओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, मुफ्त जांच और परामर्श, जन औषधि केंद्रों के बारे में जानकारी- इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को बताया जाता है कि वे कम कीमत में भी अच्छी क्वालिटी की दवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 08 मार्च, 2026

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल

अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा, 200 रन के पार जा सकता है स्कोर

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबला 8 मार्च को टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं। जहां डिफेंडिंग चैंपियन भारत के सामने कीवी टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार इस मैच के लिए तैयार की गई पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है और यहां लगभग 200 रन या उससे अधिक का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक फाइनल मुकाबला सेंटर विकेट पर खेला जाएगा। इसी पिच का उपयोग पहले एक मैच में किया गया था, जिसमें साउथ अफ्रीका ने कनाडा टीम के खिलाफ 213/4 का बड़ा स्कोर बनाया था और 57 रन से जीत दर्ज की थी। इससे संकेत मिलते हैं कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है और यहां

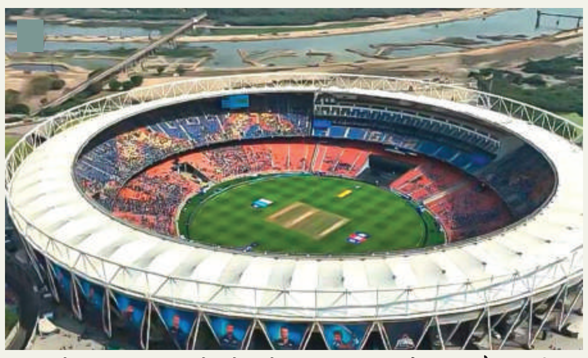

हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार इस विकेट पर स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना कम है, जबकि तेज गेंदबाजों को अच्छी गति और उछाल मिल सकती है। पिच का व्यवहार कुछ हद तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच जैसा रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी मैदान पर भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बताया जा रहा है कि फाइनल के लिए तैयार की गई पिच पूरी तरह ताजा होगी और इसे लाल तथा काली मिट्टी के मिश्रण से तैयार किया गया है। यह पिच 2023 के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच से काफी अलग होगी। उस समय इस्तेमाल की गई पिच पूरी तरह काली मिट्टी की थी और पहले से उपयोग में लाई जा चुकी थी, जिसके कारण वह धीमी और कम उछाल वाली हो गई थी। 2023 के फाइनल में भारतीय टीम 240 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जो बाद में कम स्कोर साबित हुआ। आस्ट्रेलियाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया था। उस समय पिच चयन को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट में पिच की तैयारी आईसीसी के क्यूरेटर की निगरानी में होती है, लेकिन उस फाइनल के दौरान खबरें आई थीं कि बीसीसीआई और भारतीय टीम ने पिच चयन में अपनी राय दी थी। बाद में उस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। इस बार यह स्पष्ट नहीं है कि पिच तैयार करने में भारतीय टीम या बीसीसीआई की कितनी भूमिका रही है, लेकिन अगर पिच सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है तो इसका फायदा भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को मिल सकता है। खासकर सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी ऐसे विकेट पर तेजी से रन बना सकते हैं। आमतौर पर कठिन और धीमी पिचें कमजोर टीमों को मुकाबले में बने रहने का मौका देती हैं, क्योंकि बड़े स्कोर बनाना मुश्किल हो जाता है। वहीं सपाट पिच पर मजबूत और अनुभवी बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों को बढ़त मिलती है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मुकाबला काफी करीबी रहा और टीम सिर्फ 7 रन से जीत पाई। उस मैच में जसप्रीम बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने काफी रन खर्च किए थे। ऐसे में अगर फाइनल मुकाबला भी बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर खेला जाता है तो भारतीय गेंदबाजों के लिए असली परीक्षा होगी। टीम को बुमराह के साथ वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पाण्डया से न्यूजीलैंड के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अहम विकेट लेने की उम्मीद रहेगी।

फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं: रवि शास्त्री

अभिषेक शर्मा को मानसिक रूप से मजबूत करें, संजू सैमसन की बल्लेबाजी मजबूत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि संजु

सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए। पूर्व कोच के मुताबिक सैमसन की प्रतिभा पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा, लेकिन अब वह मानसिक रूप से भी काफी मजबूत नजर आ रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि जब कोई बल्लेबाज क्लास, टच और पावर के साथ शॉट लगाता है तो उसकी बल्लेबाजी देखने में बेहद शानदार लगती है और सैमसन में यह सभी खूबियां मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सैमसन अभी केवल 31 वर्ष के हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज

4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा। आईपीएल में बुमराह की कीमत और भी चर्चा का विषय रही है। मुंबई इंडियंस ने हमेशा उन्हें रिटेन किया, इसलिए ऑक्शन में उनका नाम कभी नहीं आया। अगर वे मेगा ऑक्शन में उपलब्ध होते, तो उनकी कीमत 30 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। आईपीएल 2025 से पहले उन्हें मुंबई इंडियंस से 20 करोड़ रुपये से कम में रिटेन किया गया था। बुमराह की यह विशेषज्ञता किसी भी टीम के लिए भारी साबित हो सकती थी। सेमीफाइनल में उनके हर ओवर ने टीम इंडिया को निर्णायक समय पर मजबूती दी। डेथ ओवर्स में उनका दबदबा भारत की जीत में अहम भूमिका निभाता है। जसप्रीत बुमराह के लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें न केवल भारत की टीम में बल्कि विश्व क्रिकेट में भी डेथ ओवर्स का सबसे खतरनाक गेंदबाज बना दिया है। उनकी क्षमता, संयम और अनुभव टीम इंडिया के लिए मैच जीतने का बड़ा हथियार है।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

एजेंसी, मुंबई

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे।ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका

अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

फाइनल से पहले न्यूज़ीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे। फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार

किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रनों से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था, जबकि न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को सिर्फ 12.5 ओवर में 170 रन का लक्ष्य चेज कर हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल से पहले बुमराह और न्यूजीलैंड के बीच यह मानसिक टकराव मैच को और रोमांचक बनाने वाला है।

संक्षिप्त

हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, पुर्तगाल के मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। सऊदी क्लब अल-नासर एफसी के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। टीम के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने बताया कि इस चोट के चलते 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के आगामी मैत्री मुकाबलों में खेलना फिलहाल अनिश्चित हो गया है। रोनाल्डो को यह चोट पिछले सप्ताहांत सऊदी प्रो लीग के एक मुकाबले के दौरान लगी थी। इस मैच में अल-नासर ने अल-फय्हा एफसी को 3-1 से हराया था, लेकिन मुकाबले के दौरान रोनाल्डो असहज नजर आए और लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। उस समय टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह मामूली मांसपेशियों का खिंचाव होगा और वह जल्द वापसी कर सकेंगे। हालांकि बाद में कराई गई मेडिकल जांच में चोट पहले के अनुमान से अधिक गंभीर निकली। कोच जॉर्ज जीसस ने मीडिया से बातचीत में बताया कि शुरुआती आकलन में इसे हल्का मांसपेशीय खिंचाव माना गया था, लेकिन विस्तृत जांच से स्पष्ट हुआ कि स्थिति अपेक्षा से ज्यादा गंभीर है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच के दौरान रोनाल्डो को मांसपेशियों में दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था और अब चिकित्सकीय रिपोर्ट से पता चला है कि उन्हें ठीक होने के लिए पर्याप्त आराम और इलाज की आवश्यकता होगी। कोच के अनुसार रोनाल्डो जल्द ही उपचार के लिए स्पेन जाएंगे, जहां उनके निजी फिजियोथेरेपिस्ट उनकी रिकवरी पर काम करेंगे। क्लब प्रबंधन को उम्मीद है कि सही इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद वह जल्द फिट होकर मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन फिलहाल उनकी वापसी की सटीक समयसीमा तय नहीं की गई है।

बंगलादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

एजेंसी, ढाका

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने 11 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बंगलादेश चयन समिति के अध्यक्ष गाजी अशरफ ने बताया कि अफिफ हुसैन को टीम में वापस बुलाया गया है। हुसैन ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में एकदिवसीय क्रिकेट खेला था और अब उन्हें टीम में शामिल कर मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महिदुल इस्लाम को टीम में बरकरार रखा गया है। चयन समिति ने लिटन दास को भी टीम में रखा है, हालांकि उनके हालिया खराब फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हुसैन के अनुसार लिटन दास अपने खेल पर कोचों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जल्द ही वे इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की क्षमता रखते हैं। चोटिल खिलाड़ियों में नुरुल हसन, जैकर अली अनिक और शमीम हुसैन इस सीरीज से बाहर हैं। चयन समिति का कहना है कि ये खिलाड़ी महीने के अंत तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद में हैं। गाजी अशरफ ने कहा, "अफिफ हुसैन के पास अनुभव है और वह वर्तमान में अच्छी लय में दिख रहे हैं। महिदुल इस्लाम को टीम में बनाए रखना उनके लिए अपनी काबिलियत दिखाने का बेहतरीन अवसर है। लिटन दास को हम मिडिल ऑर्डर में एक ऑप्शन के रूप में देख रहे हैं और उन्हें अपने खेल

को सुधारने का पर्याप्त समय मिला है।" इस सीरीज में बंगलादेश की नजर पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज कर घरेलू एकदिवसीय प्रदर्शन को मजबूती देने पर है। टीम चयन में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए चयन समिति ने एक मजबूत मिश्रित टीम तैयार की है।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बंगलादेश टीम :

मेहदी हसन मिराज (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ हसन, तनजीद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदॉय, लिटन दास, अफीफ हुसैन, महिदुल इस्लाम भुइयां, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरीफुल इस्लाम और नाहिद राणा।

अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग को खेल एवं युवा कल्याण विभाग में सहायक संचालक के पद की जिम्मेदारी

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग को खेल एवं युवा कल्याण विभाग में प्रतिनियुक्ति देते हुए सहायक संचालक के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रुस्तम सारंग ने 13 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक जीते , जिसमें 4 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। सारंग ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन और उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। रुस्तम सारंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। खेल के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए राज्य शासन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों से अन्य दायित्वों के चलते वे खेल

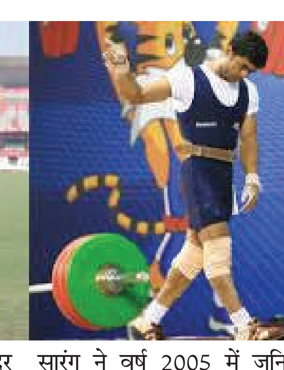

प्रशिक्षण और गतिविधियों से दूर थे, जिससे कई छोटे खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब नई जिम्मेदारी के साथ वे फिर से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।उन्हें यह दायित्व फरवरी के अंतिम सप्ताह में सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग ने वर्ष 2005 में जूनियर एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और छत्तीसगढ़ के पहले अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी बने। इसके बाद 2006 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य और 2007 गुवाहाटी नेशनल गेम्स में रजत पदक हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 2009 मलेशिया, 2011 दक्षिण अफ्रीका और 2012 समोआ में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। वहीं पेरिस (2011) और कजाखस्तान (2014) वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने कई जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप तथा 2015 केरल नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार के शहीद कौशल यादव खेल पुरस्कार, शहीद राजीव पांडेय खेल पुरस्कार और गुंडाधुर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। रुस्तम सारंग छत्तीसगढ़ पुलिस में डीएसपी के पद पर पदस्थ रहे और एसएआई(साई)पटियाला से स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर कई युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दिया। हाल ही में उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा की थी।

गाएल मोनफिल्स ने बीएनपी परिबास ओपन से ली भावुक विदाई

» दूसरे दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी, इंडियन वेल्स

कैलिफोर्निया में खेले जा रहे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट बीएनपी परिबास ओपन में फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी गाएल मोनफिल्स ने भावुक विदाई ली। दूसरे दौर के मुकाबले में उन्हें कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम के खिलाफ 6-7(5), 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही मोनफिल्स का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। मैच के बाद स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने उन्हें खड़े होकर तालियों के साथ सम्मानित किया।

दर्शकों की तालियों के बीच भावुक हुए मोनफिल्स- 39 वर्षीय मोनफिल्स ने पहले ही संकेत दिया है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है। मुकाबले के

बाद उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट से जुड़ी यादें उनके लिए बेहद खास हैं। उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए अविश्वसनीय टूर्नामेंट रहा है। मैं थोड़ा भावुक हूं। आमतौर पर मैं उदास नहीं होता, लेकिन आज थोड़ा दुख जरूर महसूस हो रहा है।" मोनफिल्स ने बताया कि बचपन से उनका सपना बड़े टूर्नामेंटों में बड़ी भीड़ के सामने खेलने का था और इंडियन वेल्स ने उनकी सभी उम्मीदों को पूरा किया।

शानदार करियर और 13 एटीपी खिताब- अपने शानदार एथलेटिक अंदाज और मनोरंजक खेल शैली के लिए मशहूर मोनफिल्स ने अपने करियर में कुल 13 एटीपी टूर खिताब जीते। उनका सबसे हालिया खिताब पिछले साल ऑकलैंड में आया था, जो 2005 में पोलैंड में जीते गए उनके पहले खिताब के लगभग 20 साल बाद था। मोनफिल्स ने कहा कि इस साल उन्हें टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड मिलने के लिए वह आयोजकों के आभारी हैं और इंडियन वेल्स हमेशा उनके लिए खुशियों से भरी जगह रहा है।

'बिग थ्री' के दौर में खेलना पड़ा- मोनफिल्स का करियर ऐसे दौर में रहा जब पुरुष टेनिस पर तीन महान खिलाड़ियों— रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच —का लगभग दो दशकों तक दबदबा रहा। फिर भी उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेले— 2008 में फ्रेंच ओपन और 2016 में यूएस ओपन। मोनफिल्स ने कहा कि वह अपने करियर से पूरी तरह संतुष्ट हैं और टेनिस से विदा लेते समय उन्हें किसी बात का पछतावा नहीं है।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026: लक्ष्य सेन ने ली शी फेंग को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, बर्मिंघम

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में चीन के ली शी फेंग को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और ली शी फेंग को सीधे गेमों में 21-13, 21-16 से हराया। यह मैच 45 मिनट तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक और सटीक खेल का प्रदर्शन किया। पहले गेम में लक्ष्य सेन पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने शुरुआत में बढ़त बना ली और लगातार छह अंक हासिल करते हुए आसानी से गेम अपने नाम कर

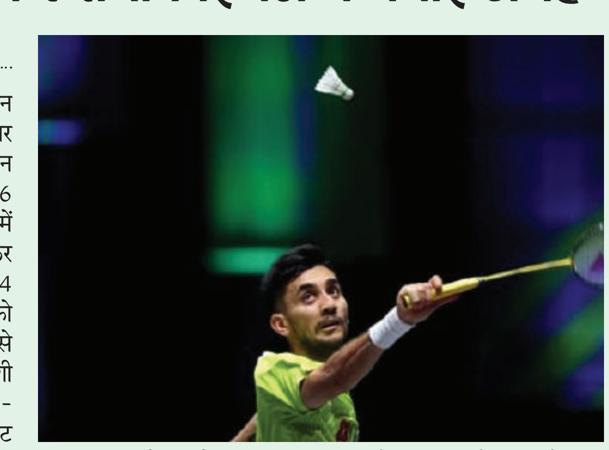

लिया। दूसरा गेम अपेक्षाकृत कड़ा रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कई बार बढ़त बदलती रही। हालांकि, निर्णायक क्षणों में लक्ष्य सेन ने लगातार अंक जुटाकर बढ़त को मजबूत किया और अंततः मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन का सामना कनाडा के विक्टर लाई और जापान के कोटा वतनाबे के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से होगा। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन का तीसरा सेमीफाइनल होगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, रविवार, 08 मार्च, 2026

विमेंस डे पर महिला स्टाफ को दें ये तोहफे

8 मार्च को महिला दिवस पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए ऑफिसों में भी गिफ्ट आदि दिए जाते हैं. ऐसे में तोहफा कुछ ऐसा होना चाहिए कि जो महिलाओं के लिए वाकई हेल्पफुल हो और जिसे देखकर उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए.

महिलाओं को स्पेशल फील करवाने के लिए वैसे तो किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती, लेकिन हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उनको हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना और उनके अधिकारों को प्रति जागरुक करना है. इस दिन लोग महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहते हैं और इसलिए कार्यस्थलों पर भी महिला स्टाफ के लिए कई जगहों पर तोहफे दिए जाते हैं. महिला दिवस के दिन अगर किसी महिला को तोहफा देकर उनके प्रति आभार व्यक्त करना हो या फिर उन्हें स्पेशल फील करवाना हो तो उन्हें कुछ गिफ्ट दिए जा सकते हैं जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. तो चलिए जानते हैं कि महिला स्टाफ को कौन से गिफ्ट दिए जा सकते हैं.

फ्री स्पा पैकेज का कूपन

ज्यादातर महिलाएं अपने ऑफिस के साथ ही घर का काम भी संभालती हैं और इसी वजह से खुद की सेल्फ केयर के लिए इतना वक्त नहीं निकाल पाती हैं. इसलिए महिला स्टाफ को अगर विमेंस डे पर कोई गिफ्ट देना हो तो फ्री स्पा पैकेज का कूपन दे सकते हैं. जिससे वो अपनी भागदौड़ भरी लाइफ से कुछ वक्त खुद को दे पाएंगी. ये गिफ्ट देखकर किसी भी महिला को खुशी जरूर होगी.

ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट का कॉम्बो सेट

इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और बालों को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती हैं, इसलिए उनको ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का कॉम्बो सेट दिया जा सकता है. तो फिर इस विमेंस डे महिला स्टाफ के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है.

तैयार करवाएं ये स्पेशल गिफ्ट हैंपर

महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं रहती हैं या सीधे-सीधे कहें तो वह खुद से पहले फैमिली को रखती हैं और इसी वजह से कई बार उनकी सेहत नजरअंदाज हो जाती है. इसलिए इस विमेंस डे महिला स्टाफ के लिए हेल्थ से जुड़ी चीजों का स्पेशल गिफ्ट हैंपर तैयार करवा सकते हैं. जिसमें, एक स्मार्ट वॉच, योगा मैट, जंपिंग रोप, कुछ सीड्स और नट्स पैक करवा सकते हैं.

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग।

उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था - 'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'
अर्थात नारी में मैं, कीर्तिं, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है।

आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं - 'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'
अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है।

उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं। मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है.. मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे- खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप से.क्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

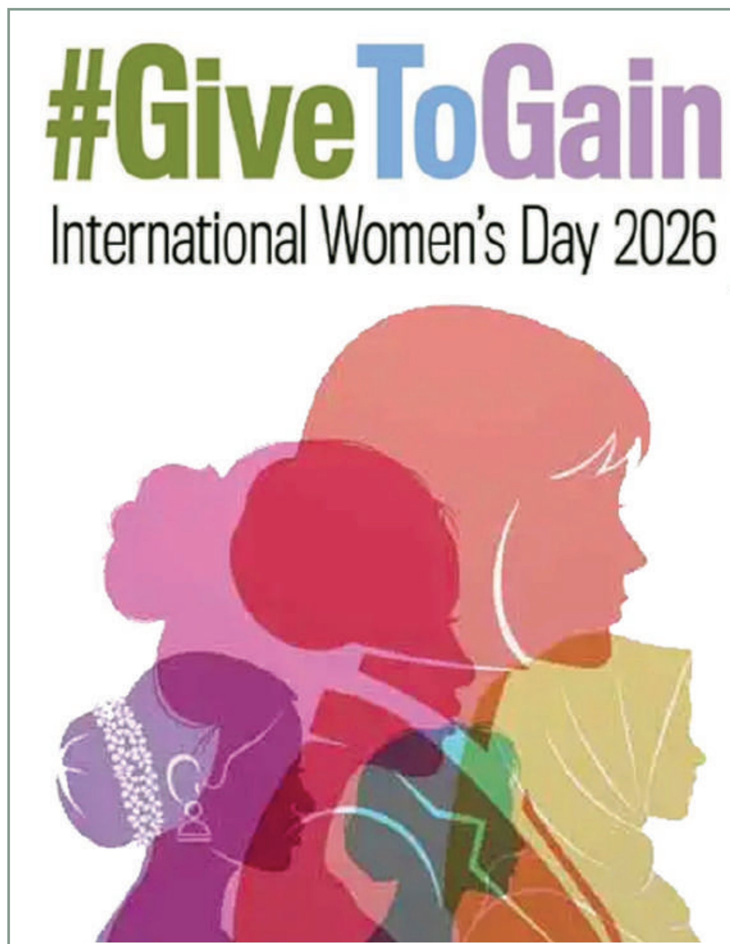

इस थीम के साथ मनाया जायेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हर साल महिला दिवस मनाने के लिए एक खास थीम आयोजित की जाती है। इस साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम 'दान से लाभ' (Give to gain) रखी गई है। जिसका मतलब है कि जब हम दूसरों की मदद करते हैं या समाज के लिए कुछ अच्छा करते हैं, तो उसका सकारात्मक प्रभाव हमारे जीवन पर भी अच्छा पड़ता है। इस थीम का उद्देश्य लोगों को महिलाओं के समर्थन, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करना है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20 सदी (सन 1908) सदी की शुरुआत में में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए हुई थी। पहली बार अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने लिए वोट देने का अधिकार एवं उचित वेतन के लिए मार्च निकाला था। इस मार्च के कुछ साल बाद पहले बार 19 मार्च 1911 में स्विटजरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क जैसे देशों में पहले बार इस दिन को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने 8 मार्च को क्यों मान्यता?

रूस में 8 मार्च 1917 को महिलाओं में अपने हक के लिए हड़ताल की। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1975 में आधिकारिक तौर पर इसे 8 मार्च को मनाये जाने की मान्यता दी। इसके बाद से प्रतिवर्ष इसे 8 मार्च को ही सेलिब्रेट किया जाता है।

क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास। दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी।

यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नए युग की नारी के पास उच्चतम शिखर छूने की अपार क्षमता

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं। इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है। 'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है। नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है।

हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है। इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

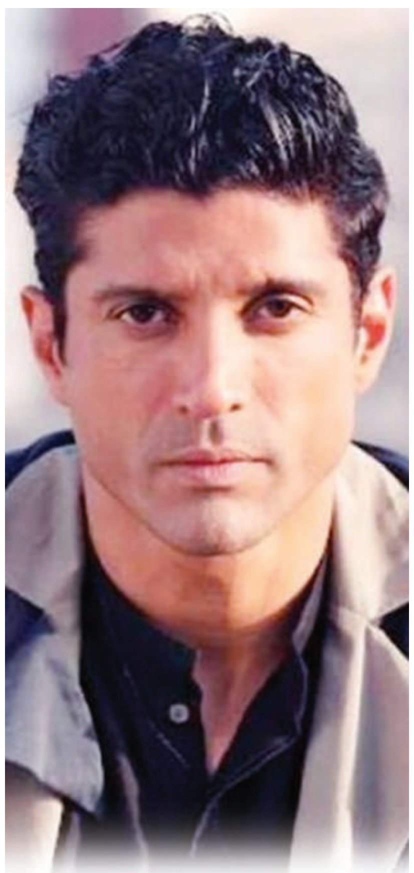

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरू हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कंटेस्टेंट प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा की कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं भी एक जैसी नहीं है। वो पर्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदख्शी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरु हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छोरियां चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।

अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'। फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वारसी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरी हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स

प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेन्नई एक्सप्रेस' (डांस नंबर) और मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'